जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 232 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 26 जून, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमित शाह, नड्डा, रिजिजू के साथ ओम बिड़ला लोकसभा महासचिव के कार्यालय पहुँचे, अपना पर्चा दाखिल कराने

कांग्रेस की ओर से केरल से आठ बार निर्वाचित सांसद के. सुरेश भी उम्मीदवार होंगे

- पहली बार कड़ा संघर्ष होगा, लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए।
- सरकार ने संघर्ष होने की जिम्मेवारी विपक्ष पर डाली, यह कह कर कि, विपक्ष ने सर्वसम्मति से लोकसभा स्पीकर के चयन के लिए शर्त रखी थी, पर, इतने बड़े पद के लिये शर्तें लगाना उचित नहीं है, अतः सर्वसम्मति नहीं बन पायी।
- समय पूर्व राहुल गांधी व अखिलेश यादव ने कहा था कि, अगर सरकार डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने को तैयार हो जाती है तो स्पीकर के नाम पर सर्वसम्मति बन सकती है।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इण्डिया गठबंधन से बातचीत कर रहे थे, सर्वसम्मति बनाने के लिये। विपक्ष ने घटनाक्रम पर टिप्पणी की कि, रक्षा मंत्री को अधिकार नहीं था कि, कुछ लिये-दिये की भावना से ऑफर करें, अतः सर्वसम्मति बनाने का प्रयास विफल रहा।
- इतिहास में पहली बार, स्पीकर के पद के लिये कड़ा संघर्ष वाला गंभीर चुनाव होगा, हालांकि, दो बार और इस पद पर प्रतीकात्मक चुनाव हुआ है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन ने आज एक तरह का इतिहास रचते हुए लोकसभा स्पीकर की नियुक्ति चुनाव के जरिए करवाने का विकल्प चुना। एन.डी.ए. ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए कोई सर्वसम्मति बनाने के लिए विपक्ष को डेपुटी स्पीकर का पद ऑफर करने के बजाए चुनाव का रास्ता चुना।

कोटा के सांसद ओम बिड़ला ने एन.डी.ए. के सर्वसम्मति उम्मीदवार के रूप में लोकसभा स्पीकर पद के लिए नामांकन भरा। बिड़ला गत लोकसभा में भी स्पीकर रह चुके हैं।

केरल से आठ बार सांसद रह चुके कांग्रेस के के. सुरेश ने भी स्पीकर के चुनाव के लिए अपना नामांकन भरा।

बिड़ला जब लोकसभा महासचिव कार्यालय में अपना नामांकन भरने गए, तब उनके साथ केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, जे.पी. नड्डा, किरण रिजीजू और एन.डी.ए. के सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद थे।

बिड़ला राजस्थान के कोटा से तीसरी बार लोकसभा सांसद बने हैं।

स्पीकर पद के लिए बुधवार सुबह 11 बजे चुनाव होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जिन्हें स्पीकर के मुद्दे पर विपक्ष को राजी करने का काम सौंपा गया था, ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से गत रात्रि से तीन बार बात की। सूत्रों ने बताया कि सरकार विपक्ष को कोई ऑफर दिए बिना ही बातचीत की कोशिश कर रही थी। यदि कोई ऑफर दिया जाता तो सरकार और विपक्ष की दूरियों में थोड़ी कमी आती। सूत्रों ने बताया कि स्पीकर के लिए विपक्ष के समर्थन की एवज में कांग्रेस डैपुटी स्पीकर का पद मांग रही थी, लेकिन रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एग्री युनिवर्सिटी के स्ट्रॉंग रूम से ओ.एम.आर. शीट गायब

जोधपुर, (कासं)। शहर के कृषि विश्वविद्यालय के स्ट्रॉंग रूम से जूनियर एंट्रेंस टैस्ट (जे.ई.टी.) परीक्षा की ओ.एम.आर. शीट गायब हो गई। इस बारे में जे.ई.टी. जैट समन्यवक की तरफ से मंडोर थाने में केस दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने इसकी जांच आरंभ कर दी है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा जैट का आयोजन दो जून को किया गया था तथा

- 2 जून को जॉइन्ट एन्ट्रेंस ट्रैस्ट (जैट) आयोजित हुआ था। कृषि विश्व विद्यालय के स्ट्रॉंग रूम में 333 अभ्यर्थियों की ओ.एम.आर. शीट थीं, पर 332 की ही मिलीं, एक शीट गायब थी।

जोधपुर, जयपुर, कोटा, बीकानेर एवं उदयपुर के कुल 94 परीक्षा केंद्रों पर इसका आयोजन हुआ था। कोटा के विद्याश्रम स्कूल नया नोहरा बारा रोड में भी यह परीक्षा आयोजित हुई थी। परीक्षा के बाद सभी केंद्राधीक्षकों की तरफ से ओ.एम.आर. शीट को सील बंद का संबंधित जगहों पर भेजा गया था। परीक्षा का परिणाम 5 जून को तैयार किया जाना था। जब कोटा के विद्याश्रम स्कूल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश ने अभी तक माफ नहीं किया है कांग्रेस को प्रदेश के विभाजन के लिये

आंध्र वासियों का मानना है कि, विभाजन के बाद आज भी आंध्र की अपनी राजधानी नहीं है, और सारे धंधे व व्यापार की दुर्गति हुई है

- यह क्रोध ही कारण है कि, आंध्र में हाल ही में हुए लोकसभा व विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने धूल चाटी।
- कांग्रेस को ''नोटा'' विकल्प से कुछ ही ज्यादा मत प्राप्त हुए आंध्र में।
- पूर्व मु.मंत्री वाय.एस.आर. रेड्डी की बेटी शर्मीला भी आंध्र में कांग्रेस को कुछ ''रिलीफ'' नहीं दिला पायी हैं।
- प्रदेशाध्यक्ष शर्मीला को कांग्रेस के दयनीय प्रदर्शन के लिये जब जिम्मेवार ठहराया गया और इसके बारे में आलाकमान को पत्र लिखा तो शर्मीला ने शिकायत करने वाले प्रदेश कार्यालय में प्रवेश से वर्जित कर दिया तथा कांग्रेस को और उपहास का पात्र बनाया आंध्र प्रदेश में।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। आंध्र प्रदेश की जनता कांग्रेस से अभी तक इसलिए नाराज़ है क्योंकि उसने प्रदेश का बंटवारा किया था और इसे आर्थिक संकट में डाल दिया क्योंकि आई.टी. हब एवं औद्योगिक केन्द्र हैदराबाद तेलंगाना को मिल गया और आंध्र को नुकसान हो गया। इसलिए जब से विभाजित आंध्र प्रदेश ने अपने प्रतिनिधियों को चुनना शुरु किया है उसने क्रोधवश कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया है।

हालांकि, कांग्रेस अपने आपको तेलंगाना के तेलुगू भाषी प्रदेश में पुर्नजीवित करने में सफल हुई। इसका श्रेय जाता है के. चन्द्रशेखर राव के शासन के तरीके व सरकार के कुशासन से उपजी भयंकर सरकार-विरोधी लहर को पर आंध्र प्रदेश में मतदाताओं ने कांग्रेस को नोटा से कुछ ही अधिक वोट दिए हैं। पार्टी को कम से कम इस बात के लिए भी कृतज्ञ होना चाहिए कि उसे नोटा से कम वोट प्राप्त नहीं हुए, नोटा का प्रतिशत 1.09 तथा जबकि इसकी तुलना में कांग्रेस का वोट शेयर 1.72 प्रतिशत रहा है यह वोट प्रतिशत हाल ही में खत्म हुए लोकसभा चुनावों एवं प्रदेश की विधानसभा चुनावों के नतीजों में रहा है। इस स्थिति को देखा जाए तो यह तकनीकी रूप से इस बार 2019 के चुनावों की तुलना में कुछ सुधार ही हुआ है क्योंकि तब कांग्रेस को (1.17 प्रतिशत) मत मिले थे जो कि आंध्र प्रदेश में नोटा को डाले गए 1.28 प्रतिशत मतों से भी कम थे।

यहाँ तक कि शक्तिशाली वाय.एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी और मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया गठबंधन नये सहयोगियों की तलाश में निकली

नवीन पटनायक की पार्टी बी.जे.डी. के बाद, आंध्र की वाय.एस.आर. कांग्रेस भी एन.डी.ए. से निराश होकर, नये ठिकाने (इण्डिया गठबंधन) की ओर देखने लगी है

- बी.जे.डी. व वाय.एस.आर. कांग्रेस के ज्यादा सांसद नहीं है, लोकसभा में, पर, राज्यसभा में बी.जे.डी. के 9 सांसद व वाय.एस.आर. कांग्रेस के ग्यारह सदस्य हैं। अतः, कांग्रेस भी इन दोनों पार्टियों का राज्यसभा में सहयोग व समर्थन पाने के लिये काफी लालायित है।

-श्रीनदं झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) अध्यक्ष नवीन पटनायक का यह निर्णय कि वे राज्यसभा में विपक्ष का समर्थन करेंगे, यह इस कहावत को चरितार्थ करता है कि राजनीति में कोई स्थायी मित्र अथवा दुश्मन नहीं होता है।

जबकि, ओडिशा में बी.जे.डी. एवं आंध्र प्रदेश में जगनमोहन रेड्डी की वाय.एस.आर.सी.पी. दोनों राजनीतिक पार्टियाँ एन.डी.ए. की सदस्य नहीं थी, पर इन पार्टियों ने नरेन्द्र मोदी के पहले व दूसरे कार्यकाल में राज्यसभा में भाजपा सरकार को बार-बार बचाया था।

विधानसभा व लोकसभा चुनावों में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद समीकरण अब बदल रहे हैं।

चूंकि, बी.जे.डी. हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों में एक भी लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करने में विफल रही है और विधानसभा में इस पार्टी के विधायकों की संख्या घटकर मात्र 58 रह गई है जबकि इसके विपरीत भाजपा ने 78 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त की थी और उसने वहां सरकार का गठन कर लिया। लेकिन संसद के उच्च सदन राज्यसभा में बी.जे.डी. के अभी नौ सांसद हैं।

बी.जे.डी. अब प्रदेश में ''मजबूत व जीवंत विपक्ष'' की भूमिका निभाएगी'' और पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि ''उनकी पार्टी राज्यसभा में विपक्ष का भी समर्थन करेगी।''

पटनायक ने यह भी कहा कि ''संसद में बी.जे.डी. ओडिशा के लिए मजबूत आवाज़ उठाएगी और संसद में राज्य से संबंधित मुद्दों को तत्परता से उठाएगी।''

यह कहावत है कि राजनीति में कोई किसी का स्थायी मित्र अथवा दुश्मन नहीं होता है, इसका आगामी महीनों में विस्तार होने की संभावना है जैसा कि हाल ही में गठबंधन के दलों ने यह संकेत देना शुरु कर दिय है अपने प्रदेश में अपनी स्थिति की समीक्षा के बाद ऐसे प्रदेश में महाराष्ट्र भी है।

आंध्र प्रदेश में अभी हाल ही में सम्पन्न विधानसभा व संसद के चुनावों में वाय.एस.आर.सी.पी. का सूपड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रिटायर्ड आई.एफ.एस. के वेतन में इन्क्रीमैंट का मसला एक माह में तय करे सरकार'

जयपुर, 25 जून। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने छह साल पहले तीस जून को रिटायर हुए भारतीय वन सेवा के अधिकारी को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं देने पर सरकार को

- केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने 30 जून 2018 को कोटा से रिटायर हुए आई.एफ.एस. अफसर ललित सिंह को 30 जून 2017 से 30 जून 2018 तक की वेतन वृद्धि नहीं दिए जाने पर सरकार को आदेश दिए।

कहा है कि, वह प्रकरण का एक माह में निस्तारण लक्ष्मण प्रसाद के मामले में दिए फैसले के तहत करे। अधिकरण ने कहा है कि, इस संबंध में पेश याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन तय किया जाए। अधिकरण ने ये आदेश ललित सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि, याचिकाकर्ता 30 जून, 2018 को कोटा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज रिहा हुए

12 साल तक लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्यूरिटी जेल से रिहा किया गया

- असांज वर्ष 2017 में एकाएक सुर्खियों में आए जब उन्होंने अमेरिका के इरॉक युद्ध व अफगानिस्तान वॉर से संबंधित 5 लाख गोपनीय दस्तावेज़ सार्वजनिक कर दिए।
- इससे आग बबूला अमेरिका ने असांज की गिरफ्तारी और उसे अमेरिका के सुपुर्द करने पर जोर दिया, इस अपराध के लिए अमेरिका में उन्हें 175 साल की सजा हो जाती।
- पर, दुनिया भर के मानवाधिकार एवं आज़ादी समर्थक संगठनों ने अमेरिका का विरोध किया।
- असांज ने लंदन के इक्वाडोर के दूतावास में शरण ली और यूरोपियन ह्यूमन राइट्स लॉ के तहत अपील की। उनका केस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रैस की आज़ादी के लिए संघर्ष का प्रतीक बन गया था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज के लंदन की एक हाईसिक्योरिटी जेल से रिहा होने के साथ ही ''प्रैस फ्रीडम'' से संबंधित 21 वीं सदी का सबसे मशहूर कानूनी के केस आज प्रकट रुप से समाप्त हो गया।

असांज 12 वर्षों तक कैद में रहे। इस दौरान उन्होंने स्वयं को अमेरिका प्रत्यार्पित किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाईयां भी लड़ी। इन 12 वर्षों में से 7 वर्ष तो उन्होंने लंदन स्थित इक्वेडोर दूतावास में बिताए और 5 साल ब्रिटेन की एक हाईसिक्योरिटी जेल में।

अमेरिका अपने गुप्त सैन्य दस्तावेजों के प्रकाशन को लेकर असांज को अपने यहां प्रत्यर्पित करवाना चाहता था। असांज ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी हैं। जूलियन असांज ने इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों से संबंधित 5 लाख गुप्त दस्तावेजों का प्रकाशन किया था। इन दस्तावेजों के सार्वजनिक हो जाने के बाद अमेरिका के आचरण को लेकर भारी विवाद छिड़ गया था और असांज ने दावे से कहा था कि ''इससे साबित होता है कि अमेरिका ने युद्ध अपराध किए हैं।''

इससे क्रोधित अमेरिका ने मांग की थी कि, असांज को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए उसके यहां भेजा जाए। असांज को गिरफ्तार कर यदि अमेरिका लाया जाता तो उन्हें तकरीबन 175 वर्ष के कारावास की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जायेंगे

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जा सकते हैं। खुद रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। क्रेमलिन ने मंगलवार को घोषणा की कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जाने वाले हैं। व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कहा कि, भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारी की जा रही है, लेकिन उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई। अगर दौरा होता है तो

- रुस के राष्ट्रपति कार्यालय ने जानकारी देते हुये बताया कि, प्र.मंत्री मोदी की रूस यात्रा की तैयारियां शुरु हो चुकी हैं।

करीब पांच वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला रूस दौरा होगा। मोदी ने सितंबर 2019 में रूस का दौरा किया था। उशाकोव ने कहा कि तारीख की घोषणा बाद में संयुक्त रूप से की जाएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी की संभावित यात्रा पर भारतीय पक्ष की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। पीएम मोदी आखिरी बार 2019 में रूस के दौरा पर गए थे। हालांकि अब पीएम मोदी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री भजनलाल ने राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की

मु.मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि, समिट में होने वाले विभिन्न एम.ओ.यू. को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए अमल में लाया जाए

- मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारे राजस्थान को देश के सबसे बड़े इन्वैस्टमैंट हब के रूप में उभारना है और इसके लिए निवेश को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं दी जाएंगी।
- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि, राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024,का भारी प्रचार किया जाए, क्योंकि, प्रचार प्रसार ही आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि, समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।
- बैठक में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर, 25 जून (का.सं.)। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024, की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार निवेशकों के लिए हर स्तर पर मदद कर अनुकूल वातावरण तैयार करेगी जिससे देश-विदेश से अधिकतम निवेश राज्य में आएं तथा राजस्थान देश में सबसे बड़े ''इन्वैस्टमैंट हब'' के रूप में उभरे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024, के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारी पूरे मनोयोग से जुट जाएं तथा इस ऐतिहासिक आयोजन की प्रत्येक गतिविधि की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि, समिट में होने वाले विभिन्न एम.ओ.यू. को केवल कागजों पर ही न रखकर धरातल पर उतारा जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ इस आयोजन का भव्य क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि, समिट में आने वाले निवेशकों के आतिथ्य सत्कार में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, प्रचार-प्रसार किसी भी आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है। अधिकारी प्रचार-प्रसार के लिए बेहतरीन कार्ययोजना बनाएं जिससे वैश्विक स्तर पर यह आयोजन चर्चा का विषय बने।

शर्मा ने कहा कि, सभी उद्योगों को एक ही छत के नीचे निवेश संबंधी सभी प्रकार की सुविधाएं देने के लिए सिंगल विंडो का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सिंगल विंडो के लिए विभाग द्वारा अलग से पूरा सिस्टम तैयार किया जाए जिससे उद्यिमयों को निवेश में किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, संसाधनों का समुचित उपयोग कर निवेश संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, राजस्थान के प्रवासी विश्व के प्रत्येक हिस्से में मौजूद हैं तथा वे अपनी मिट्टी से हमेशा जुड़े रहना चाहते हैं। इसलिए राजस्थान के प्रवासी प्रदेश में निवेश के लिए हमेशा अवसरों की तलाश में रहते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि, समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए, उनके लिए अलग से सत्र आयोजित हों जिससे वे अपने राज्य में निवेश कर राज्य को औद्योगिक रूप से समृद्ध बनाने में अपनी महती भूमिका निभा सकें।

बैठक में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से इन्वैस्टमैंट समिट की गतिविधियां, मुख्य समारोह का प्रारूप, वित्त, उद्योग, परिवहन, पर्यटन, जेडीए, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग सहित विभिन्न विभागों की भूमिका, नवीन प्रस्तावित नीतियां,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने सी.एम. ऑफिस में राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024 की तैयारियों के संदर्भ में अयोजित समीक्षा बैठक में उच्च अधिकारियों से बातचीत की।

केजरीवाल को सी.बी.आई ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया

- सी.बी.आई. ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की जमानत याचिका से एक दिन पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को तिहाड़ जेल में ही सी.बी.आई. ने केजरीवाल से पूछताछ की और तभी उन्हें गिरफ्तार करने का फैसला लिया।

नई दिल्ली, 25 जून। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सी.बी.आई. ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार कर लिया है। ई.डी. मामले में सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है। –सरदार पटेल

वयस्क टीकाकरण के दिशा निर्देशों पर चिकित्सकीय सहमति

टीकाकरण की बात आती है तो सभी का ध्यान जन्म के बाद बच्चों को लगने वाले टीकों पर ही जाता है। कोविड काल में पहली बार लोगों ने पाया कि वयस्कों को भी टीके लगाए जा सकते हैं। कोविड महामारी एक आपातकालीन स्थिति थी जिसने आमजन में टीकों के प्रति अभूतपूर्व जागरूकता पैदा की। यह सभी जानते हैं कि अनेक रोग जो भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए खतरा बने हुए हैं वे टीकों से रोके जा सकते हैं। ऐसे रोगों में इन्फ्लूएंजा और न्यूमोकोकल रोगों का खयाल आता है जो भारत में विशेष चिंता का विषय बने हुए हैं। यह जानकर बहुतों को आश्चर्य होगा कि टीके से रोके जा सकने वाले रोगों से हर साल मरने वाले वयस्कों का अनुपात बच्चों के इसी आंकड़े से 350 गुना अधिक है। इसी से भारतीय परिपेक्ष्य में इस चुनौती का अंदाजा लगाया जा सकता है। यही कारण है कि ऐसी चिकित्सा चुनौतियों और अधेड़ लोगों की बढ़ती हुई आबादी के कारण अब यह माना जाने लगा है कि वयस्कों के टीकाकरण के बारे में भी गंभीरता से सोचा जाए। इसके लिए एक सक्रिय और समग्र दृष्टिकोण अपनाये जाने की आवश्यकता है। सांख्यिकी विशेषज्ञों के अनुमानों के अनुसार अगले दशक के अंत तक भारत की लगभग 23 प्रतिशत आबादी 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की होगी। इसलिए स्वास्थ्य सेवा में लगे लोग कहते हैं कि वयस्कों के टीकाकरण के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। वयस्कों के शरीर में कमजोर होती प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी), आयु संबंधी कारण, और महामारी जैसे अनेक सामान्य कारक हैं जो वयस्कों को टीके से रोके जा सकने योग्य रोगों पर ध्यान देने की जरूरत बताते हैं। यह साबित हो चुका है कि टीकाकरण से ऐसे रोग तथा उनकी गंभीरता कम हो जाती है जिन्हें टीका लगा कर रोका जा सकता है। इससे टीके से बचाव वाले रोगों की जटिलताओं की दर भी कम हो जाती है, जिससे सामाजिक–आर्थिक बोझ से राहत मिलती है और आबादी स्वस्थ आयुवृद्धि पाती है। मगर हम पाते हैं कि बाल टीकाकरण की तो सर्वत्र जागरूकता है मगर वयस्क टीकाकरण पर अभी पूरा ध्यान नहीं गया है। जानकारों का कहना है कि हालांकि वयस्क टीकाकरण के लाभ निर्विवाद हैं, फिर भी देश में उनके टीकाकरण की दरें आदर्श स्तर से बहुत नीचे हैं। जनसंख्या आधारित अध्ययन के अनुसार, भारत में इन्फ्लूएंजा, न्यूमोकोकल, टाइफाइड रोग और हेपेटाइटिस बी के लिए वयस्क टीकाकरण कवरेज क्रमश: 1.5 प्रतिशत, 0.6 प्रतिशत, 1.9 प्रतिशत और 1.9 प्रतिशत के बहुत निचले स्तर पर ही हैं। एक अन्य भारतीय सर्वेक्षण में बताया गया है कि 68 प्रतिशत वयस्क अपने लिए अनुशंसित टीकों के बारे में जानते ही नहीं हैं। यहां तक कि 38 प्रतिशत वयस्कों तो यह मानते पाये गये कि टीकाकरण केवल बच्चों के लिए ही होता है। टीके से रोकी जा सक्ने योग्य बीमारियों के बारे में जानकारी का अभाव, वयस्क टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी समान दिशानिर्देशों की अनुपलब्धता, नैदानिक जड़ता, वयस्कों में टीकाकरण के लाभों की कमी और अच्छी तरह से समन्वित टीकाकरण कार्यक्रमों की कमी देश में वयस्क टीकाकरण के सामने बाधा बनी खड़ी नज़र आती हैं।

हालांकि चिकित्सकों की कई मेडिकल संगठनों ने वयस्क टीकाकरण के लिए दिशा–निर्देश प्रकाशित किए हैं, मगर वे आयु और जोखिम आधारित स्थितियों के आधार पर भिन्न होने के कारण चिकित्सकों के लिए उन पर तर्कसंगत निर्णय लेना मुश्किल पाया गया। मगर अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के इस महत्वपूर्ण पहलू – वयस्क टीकाकरण –के बारे में 'एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया' ने 13 अन्य मेडिकल संगठनों को एक साथ लेकर "वयस्क टीकाकरण 2024 पर भारतीय सहमति दिशानिर्देश" बनाने का एक बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य किया है। ये दिशानिर्देश 21 टीकों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं तथा प्रत्येक टीके के विवरण में उन्हें शामिल करते हैं, जिससे उनके बारे में चिकित्सकीय समझ के अंतराल को पाटा जा सके और वयस्क टीकाकरण के लिए चिकित्सकीय निर्णय लेने में स्पष्टता प्रदान करने के लिए एक सरल रणनीति अपनाई जा सके। दिशानिर्देशों में विभिन्न सह–रुग्णताओं/दीर्घकालिक स्थितियों के लिए टीकों की सिफारिशें भी की गई हैं जो चिकित्सकों को अपने पात्र रोगियों के लिए टीकाकरण कार्यक्रम को अनुकूलित करने में सहायता करेंगे। यह दिशानिर्देश पिछले दिनों नई दिल्ली में 'एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन्स ऑफ इंडिया' के 79वें वार्षिक सम्मेलन में उप–राष्ट्रपति ने जारी किये। प्रकाशन के बाद अब इन दिशानिर्देशों को बड़े पैमाने पर प्रसारित किया जाएगा और चिकित्सकों द्वारा आसान कार्यान्वयन के लिए संबंधित मेडिकल सोसायटियों की वेबसाइटों पर उन्हें डाला जाएगा। वयस्क टीकाकरण के प्रस्तावित वर्गीकरण में, वैक्सीन की सिफारिशों को –महत्वपूर्ण, आवश्यक, और वांछनीय –तीन भागों में विभाजित किया गया है। इन सिफारिशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण टीके शामिल हैं, जो उच्च रुग्णता और मृत्यु दर वाले रोगों को लक्षित करते हैं और झुंड प्रतिरक्षा (हर्ड इम्यूनिटी) प्राप्त करने के लिए सार्वभौमिक कवरेज पर जोर देते हैं। ये आवश्यक सिफारिशें मध्यम से उच्च बोझ वाली बीमारियों को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं और रोग के असर को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए लक्षित टीकाकरण रणनीतियों को प्राथमिकता देती हैं। वांछनीय सिफारिशों में अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने वाले टीके भी शामिल हैं, लेकिन इसके लिए व्यक्तिगत जोखिम मूल्यांकन और लागत प्रभावशीलता जैसे कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता पर भी इनमें जोर दिया गया है। दिशानिर्देशों का यह ढांचा टीकों की सूक्ष्म प्राथमिकता को सक्षम बनाता है, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करता है, और जनसंख्या स्वास्थ्य पर अधिकतम प्रभाव के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को प्रभावित करता है।

उदाहरण के लिए, यदि पोलियो का टीका न लगा हो तो यह रोग पक्षाघात का सबब या खसरा, मस्तिष्क ज्वर और अंधापन का कारण बन सकता है। टीके से रोके जा सकने वाले कुछ रोग टीका न लगने पर मृत्यु के कारण भी बन सकते हैं। चिकित्सकीय ज्ञान कहता है कि टीकाकरण के लाभ उसके जोखिम से कहीं अधिक हैं। बिना टीके के बहुत अधिक रोग और मौतें होंगी।

टीके जैविक पदार्थ होते हैं जो विशिष्ट रोगों के विरुद्ध प्रतिरक्षा विकसित करने के लिए शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करते हैं। टीके आम तौर पर रोगजनकों (जैसे बैक्टीरिया या वायरस) के कमजोर या निष्क्रिय रूपों, या उन रोगजनकों के टुकडों से बने होते हैं। टीकों में सिंथेटिक घटक भी हो सकते हैं जो रोगजनक की संरचना की नकल करते हैं।टीकाकरण करा कर वयस्क जन रोके जा सकने वाले रोगों से अपने कोबचा सकते हैं तथा संवेदनशील आबादी में रोग के संक्रमण को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि टीके कुछ बीमारियों से प्रतिरक्षा भी प्रदान कर सकते हैं क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। अनुशंसित विशिष्ट टीके आयु, स्वास्थ्य स्थिति और जीवनशैली जैसे कारकों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। हालांकि वयस्कों के लिए अनुशंसित कुछ सामान्य टीकों में फ्लू वैक्सीन, टीडीएपी (टाइटनस, डिप्थीरिया और पर्टुसिस) वैक्सीन, न्यूमोकोकल वैक्सीन, शिंगल्स वैक्सीन और कुछ आयु समूहों के लिए एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) वैक्सीन शामिल हैं। वयस्कों के लिए टीकाकरण कार्यक्रम टीके के प्रकार और व्यक्तिगत जोखिम कारकों के आधार पर भिन्न हो सकता है। आम तौर पर कुछ टीकों को समय–समय पर बूस्टर की आवश्यकता होती है, जबकि अन्य को जीवनकाल में एक या दो बार दिया जाना काफी होता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपयुक्त टीकाकरण कार्यक्रम निर्धारित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श आवश्यक है। कई मामलों में कुछ चिकित्सीय स्थितियों वाले वयस्कों को टीका लगाया जा सकता है और उन्हें टीका लगवाना भी चाहिए। हालांकि, विशिष्ट टीकों की उपयुक्तता व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा इतिहास पर निर्भर करती है। जिन लोगों को टीके के घटकों से गंभीर एलर्जी है या टीकों के प्रति प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं का इतिहास है, उन्हें कुछ टीकाकरण से बचने की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे में यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या टीकों के हानिकारक और दीर्घकालिक दुष्प्रभाव होते हैं? क्या टीकाकरण घातक हो सकता है? वर्ष 1998 के एक अध्ययन ने खसरा–कण्ठमाला–रूबेला (एमएमआर) वैक्सीन और ऑटिज्म के बीच संभावित संबंध के बारे में चिंता जताई थी। मगर इस अध्ययन को बाद में गंभीर रूप से दोषपूर्ण पाया गया, और इसे प्रकाशित करने वाली पत्रिका ने पेपर को वापस ले लिया। विद्वान चिकित्सक पूरे इत्मीनान से कहते हैं कि टीके बहुत सुरक्षित होते हैं। टीका प्रतिक्रियाएं आमतौर पर मामूली और अस्थायी होती हैं, जैसे कि हाथ में दर्द होना या हल्का बुखार आना। टीका लगने के बाद बहुत गंभीर स्वास्थ्य घटनाएं अत्यंत दुर्लभ हैं और उनकी सावधानीपूर्वक निगरानी और जांच की जाती है। किसी व्यक्ति को टीके की तुलना में टीके से रोके जा सकने वाली बीमारी से गंभीर रूप से प्रभावित होने की अधिक संभावना रहती है।

उदाहरण के लिए, यदि पोलियो का टीका न लगा हो तो यह रोग पक्षाघात का सबब या खसरा, मस्तिष्क ज्वर और अंधापन का कारण बन सकता है। टीके से रोके जा सकने वाले कुछ रोग टीका न लगने पर मृत्यु के कारण भी बन सकते हैं। चिकित्सकीय ज्ञान कहता है कि टीकाकरण के लाभ उसके जोखिम से कहीं अधिक हैं। बिना टीके के बहुत अधिक रोग और मौतें होंगी। सफल टीकाकरण कार्यक्रम, सफल समाजों की तरह, सभी की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग पर निर्भर करते हैं।वैज्ञानिक प्रमाण दर्शाते हैं कि एक ही समय में कई टीके देने से प्रतिरक्षा प्रणाली पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। लोग प्रतिदिन कई सौ ऐसे ऐसे पदार्थों के संपर्क में आते हैं जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को सक्रिय करते हैं। नई चिकित्सकीय सहमति वाले चिकित्सकों को दिशानिर्देश बनाकर चिकित्सा संगठनों ने महत्वपूर्ण काम किया है। आशा की जानी चाहिए कि अब शासन व्यवस्था वयस्क टीकाकरण को उसी प्रकार आगे बढ़ायेगी जिस प्रकार वह बाल टीकाकरण के लिए सफलतापूर्वक करती आई है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

उच्च शिक्षा का बजट

प्रो. अशोक कुमार

उच्च शिक्षा किसी भी देश के विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। यह न केवल व्यक्तियों को बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने में मदद करता है, बल्कि देश की समग्र अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करता है।

उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट आवंटित करना सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। यह शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने, शिक्षा में पहुंच और समानता को बढ़ावा देने, कुशल मानव पूंजी का निर्माण करने और देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में मदद करेगा।

वर्तमान में उच्च शिक्षा में क्या बजट होना चाहिए यह सुनिश्चित करने से पहले हमें इस बात को सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्च शिक्षा का क्या स्वरूप हो। वर्तमान में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में छात्रों की उपस्थिति दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है ! हमें इस विषय में गंभीरता से सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या कारण है कि विद्यार्थी औपचारिक शिक्षा के प्रति आकर्षित नहीं होता है और वह कोचिंग केंद्रों पर अपना ध्यान लगाना चाहता है। मेरा ऐसा मानना है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में शिक्षा का जो स्वरूप है उसमें विद्यार्थी को रोजगार की मिलने की आशा कम नज़र आ रही है ! इसलिए हमें चाहिए कि हम औपचारिक शिक्षा में रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करें ! इस शिक्षा को प्रदान करने के लिए हमें विश्वविद्यालय में एक परिवर्तन करना पड़ेगा ! हम ऐसे रोजगार से संबंधित विषयों को जिनकी औद्योगिकी से सीधा संबंध हो, छात्रों को उत्प्रेरित करें !

हमारे राज्य को विश्व स्तरीय उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए, हमें निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है:–

1. उद्यमिता और नवाचार केंद्रों की स्थापना: उद्यमिता विकास केंद्र : प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना की जानी चाहिए, जो छात्रों को उद्यमिता और स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित कर सके। इन केंद्रों में व्यवसायिक प्रशिक्षण, वित्तीय परामर्श, और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।

इनोवेशन हब्स: विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इनोवेशन हब्स की स्थापना की जानी चाहिए, जो छात्रों को नई तकनीकों और विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करें। इन हब्स में उन्नत प्रयोगशालाएं और उपकरण होने चाहिए।

2. स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स और एक्सेलेरेटर्स:

स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स: उच्च शिक्षा संस्थानों में स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स की स्थापना की जानी चाहिए, जो नवाचार और स्टार्टअप को प्रारंभिक चरण में मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करें।

एक्सेलेरेटर्स प्रोग्राम्स: ऐसे प्रोग्राम्स की शुरुआत की जानी चाहिए जो स्टार्टअप्स को तेज़ी से बढ़ने में मदद करें। ये प्रोग्राम्स वित्तीय सहायता, मेंटरशिप, और बाजार में प्रवेश के अवसर प्रदान करें।

3. वित्तीय सहायता और निवेश: स्टार्टअप फंड: राज्य सरकार को एक विशेष स्टार्टअप फंड की स्थापना करनी चाहिए, जो नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करे।

वित्तीय प्रोत्साहन: निवेशकों के लिए कर प्रोत्साहन और सब्सिडी जैसी योजनाएं शुरू की जानी चाहिए, जो वे स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं।

4. उद्योग–शैक्षिक संस्थान साझेदारी:–

सहयोग और नेटवर्किंग: उच्च शिक्षा संस्थानों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल मिल सके।

इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप: छात्रों को उद्योग से जुड़े प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, जिससे वे वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझ सकें और उनके समाधान में योगदान कर सकें।निजी विश्वविद्यालय और निजी कॉलेज उच्च शिक्षा के संस्थान हैं जो सरकारों द्वारा संचालित, स्वामित्व या संस्थागत रूप से वित्त पोषित नहीं हैं। हालाँकि, उन्हें अक्सर कर छूट, सार्वजनिक छात्र ऋण और सरकारों से अनुदान प्राप्त होता है। अपने स्थान के आधार पर, निजी विश्वविद्यालय सरकारी विनियमन के अधीन हो सकते हैं।

डिजिटल और तकनीकी बुनियादी ढांचा:–

स्मार्ट क्लासरूम्स और ई–लर्निंग: उच्च शिक्षा संस्थानों में स्मार्ट क्लासरूम्स और ई–लर्निंग प्लेटफार्म्स की स्थापना की जानी चाहिए, जो छात्रों को डिजिटल शिक्षा और वैश्विक ज्ञान से जोड़ सकें।

ऑनलाइन कोर्सेज और सर्टिफिकेशन: विभिन्न क्षेत्रों में ऑनलाइन कोर्सेज और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम्स शुरू किए जाने चाहिए, जो छात्रों को नवीनतम तकनीकों और कौशल में महारत दिला सकें।

6. अनुसंधान और विकास (R&D):–

अनुसंधान अनुदान: उच्च शिक्षा संस्थानों को अनुसंधान के लिए विशेष अनुदान प्रदान किए जाने चाहिए, जिससे वे नवीनतम खोजों और नवाचारों में योगदान कर सकें।

अनुसंधान केंद्र: प्रमुख विश्वविद्यालयों में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जानी चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दें।

इन सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके, हम राजस्थान में उच्च शिक्षा को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं और हमारे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बना सकते हैं।

उच्च शिक्षा में क्या बजट होना चाहिए?

सारी दुनिया ने शिक्षा में बजट को बढ़ाया है। नेशनल एजुकेशन पालिसी में भी यह प्रावधान किया गया है। हमने हमारे शिक्षा बजेट मे जीडीपी का 6 प्रतिशत का प्रावधान किया था लेकिन आज भी हमारे देश में जीडीपी का 3 प्रतिशत ही खर्च किया गया है। अगर हम इसको अपने बजट (आय) का 6 प्रतिशत ला सके तो बेहतर होगा। जीडीपी की शुरुआत केन्द्रीय सरकार से होनी चाहिए।

दूसरे इस बजट को और ज्यादा प्रभावशाली करने के लिए हमारी राज्य सरकार को अलग से भी सोचना चाहिए। अपने प्रदेश में शिक्षा मे जहां पिछड़ापन अन्य राज्यों की तुलना मे पहले से ही ज्यादा है। इसलिए हमे दूसरे प्रदेशों की तुलना में आगे आने के लिए इसमें जीडीपी की प्रतिशत बढ़ानी पड़ेगी। राज्य सरकार अपने स्त्रोतों से भी इसको लागू करें।

हमें यह निर्धारित करना होगा कि जो बजट है उसकी क्या प्रथिमिकताएं हैं। हमारे राज्य मे उच्च शिक्षा में विभिन्न भोगोलिक परीस्थितियाँ हैं। हमारी शिक्षा में साइंस, आर्ट्स, कामर्स की अलग–अलग दशा है। हम आधारभूत संरचना की बात करें तो बुनियादी ढांचे, बेसिक इंफ्रास्ट्स और आवश्यक बुनियादी ढांचे भी बहुत ज्यादा अंतर है और वो भी अलग–अलग जगहों पर अलग–अलग है। इसलिए हमे एक सीधा सीधा अनुपात मे हर क्षेत्र को बांटने की जगह पर आवश्यकता के अनुरूप उसका वितरण जब तक नहीं करेंगे बजट बढ़ाने का फायदा नहीं होगा।

विश्वविद्यालय के स्तर पर भी निश्चित रूप से अपने स्त्रोतों के बारे मे बड़े पैमाने पर सोचना होगा : एक, आय बढ़ा कर के दूसरा व्यय घटा करके। अगर हम आय नहीं बढ़ाते हैं तो व्यय ही घटा लें। तब भी हमारा बहुत सारा लक्ष्य पूरा हो सकता है।

बजट के सही उन्नयन के लिए, सही उपयोग के लिए, हम व्यवसायिक प्रोफेशनल बॉडीज और टेक्निकल बॉडीज का सहारा लेना चाहिए , जो भी हमारे पास हैं। कम हो वो हम प्रोफेशनल तरीके से प्रोफेशनल मार्गदर्शन के तहत ही उसको क्रियान्वित करें। विश्वविद्यालय को इसमें भी पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। अपनी आवश्यकता के अनुरूप उपयोग करें ना की रूसा (आरयूएसए) की तरह।

विश्वविद्यालय प्रणाली में सार्वजनिक निजी भागीदारी को मजबूत किया जा सकता है।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग जैसी आंतरिक क्षमताओं को विभाजित करके वेब डिजाइनिंग, वेब रखरखाव और विभिन्न अन्य तकनीकी कार्यों का काम अपने हाथ में ले लें।

पोर्टल के प्रबंधन के लिए समर्थ जैसी सरकारी एजेंसियों पर अपनी निर्भरता बढ़ाएं, जिससे कंप्यूटर विक्रेताओं को दिए जाने वाले भारी खर्च को बचाया जा सके।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

मां गंगा ना मैली थी, ना मैली होगी, गंगा सदैव पवित्र ही रहती है

राजेन्द्र जोशी

रविवार के दिन मां गंगा मैया बहुत व्यस्त रहती थी। लोग मिलने आ रहे थे या गंगा स्नान। गंगा स्नान के लिए भी कुछ लोग पर्यटक की तरह आते हैं। और कुछ आस्था से गंगा के पास दौड़े चले आते हैं। हमारे मित्र हीरालाल हर्ष की और हमारी इच्छा थी की गंगा आरती की जानी चाहिए, खोजबीन की गई गंगा महासभा के पदाधिकारियों से चर्चा हुई, उन्होंने हमारा प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार किया और सबसे ज्यादा भीड़ वाले दिन रविवार को हमें गंगा आरती का अवसर दिया। गंगा आरती से पूर्व हर की पौड़ी पर विधि विधान से गणपति गौरी और मां गंगा की पूजा–अर्चना के बाद महा आरती का आयोजन किया गया। प्रतिदिन मां गंगा की पूजा–अर्चना और महा आरती विधि विधान से 6:00 बजे शाम को प्रारंभ होती है 7:30 बजे आरती प्रारंभ होती है 8:00 बजे तक महा आरती चलती रही। मां गंगा स्वयं हमारे सामने उपस्थित हुई। और हमारी आरती को उन्होंने स्वीकार किया। प्रसन्न हो कर कह रही थी कि मेरी पवित्रता को बनाए रखने की जिम्मेदारी अब मेरी नहीं आपकी है, मैं तो बहती रहूंगी, न ठहरुंगी और न थकूंगी। विद्वान युवा पंडित गंगाधर पांडे ने विधि विधान से पूजा–अर्चना का दायित्व निभाया। गंगा का स्वरूप तो था ही परंतु स्वयं गंगा मैया मौजूद रही। यह समय वह था जब मां गंगा को थोड़ा आराम भी मिल जाता उसकी छाती पर खड़े होकर अठखेलियां करने वाले लोग थम गये।गंगा के चारों तरफ भीड़ ही भीड़, हर की पौड़ी का नजारा देखने लायक बनता है, शायद हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी यह अंदाज नहीं होगा कि जिस हर की पौड़ी के निर्माण की कल्पना उन्होंने की थी वह सबसे बड़ा आस्था का घाट बनेगा। महा आरती में शामिल होना खुद करना हमारे लिए एक भारतीय होने के नाते ऐतिहासिक काम हो गया। इस तरीके के काम में शामिल होने से विचारधारा नहीं बदलती यह व्यक्तिगत आस्था का प्रश्न है देश में सभी लोग मां गंगा को प्रणाम करते हैं चाहे वह किसी भी जाति धर्म संप्रदाय के क्यों ना हो यह किसी एक की ठेकेदारी में नहीं है बल्कि समस्त भारतीयों की जिम्मेदारी में है।

कितने भी लोग आ जाएं, संख्या बढ़ती जाएं पर फिल्मी गाना 'राम तेरी गंगा मैली हो गई...' से मैं बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं, 'मेरी गंगा ना मैली थी, ना मैली होगी, गंगा सदैव पवित्र ही रहती है।' हिंदुस्तान में नदियों का अपना महत्व है सभी नदियां पवित्र है। तभी तो प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि सभी नदियों को मिला लीजिए पूरा देश पवित्र हो जाएगा, उनका यह कथन इसलिए नहीं था कि केवल पानी की उपलब्धता रहेगी बल्कि उनके कथन को इस रूप में देखना चाहिए कि जहां–जहां यह नदियां जाएगी वहां–वहां दुष्टता खत्म होगी पवित्रता बढ़ेगी। सकारात्मक सोच में बढ़ोतरी होगी, परंतु अटल बिहारी वाजपेयी के बाद उनकी पार्टी की सरकार के प्रधानमंत्री जो खुद को बनाने में लगे हैं उन्होंने कभी इस ओर ध्यान नहीं दिया।

मां गंगा जिस समय धरती पर अवतरित हुई थी क्या सोच रही होगी भागीरथ की भगवान विष्णु ने वचन पूरा करने के लिए देवाधिदेव शिव की जटा से गंगा को प्रवाहित किया और फिर भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर अवतरित होने लगी। उनके भीतर यह भी था कि गंगा के प्रभाव को धरती कैसे संभाल पाएगी अब तो नारायण और शिव प्रसन्न हो रहे होंगे कि भारत में गंगा ठीक से संभल भी गई, गंगा पूजनीय भी हो गई और तो और लाखों लोगों के रोजगार का साधन गंगा हो गई। गंगा जहां भी गई रोजगार का बड़ा साधन बन कर गई। हरि के द्वार में हरिद्वार में हजारों लोग प्रतिदिन अलग–अलग साधनों से विभिन्न क्षेत्रों से रोज आते हैं कुछ लोग यहां रुकते हैं, कुछ चले जाते हैं।

यहां के लोग भी आने वाले यात्रियों के स्वागत में पूरा दिल खोल देते हैं। गंगा स्नान तो हम बरसों से करते आ रहे हैं पर जब से गंगा आरती प्रचलित हुई है देश–दुनिया में गंगा आरती का आकर्षण हुआ, सोशल मीडिया पर एवं प्रत्यक्ष रूप से गंगा आरती के समय लगभग लाखों लोगों का आरती के दर्शन करना आरती में शामिल होना एक अजूबा ही है।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद्–साहित्यकार

उदयपुर में जहरीला आलू खाने को लोग मज़बूर

उदयपुर। उदयपुर में जहरीला आलू खाने को लोग मज़बूर हैं। उत्पादन की दृष्टि से सबसे अधिक आलू का उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। परन्तु वहां आलू के प्रसंस्करण की कोई व्यापक उद्यमता अभी तक विकसित नहीं हो सकी है। हालांकि भण्डारण के लिए शीतगृह पूरे मध्य भाग में फैले हुए हैं जो उत्पादन मात्रा की दृष्टि से अभी भी काफी कम हैं और रहेंगे, जब तक आलू के प्रसंस्करण और विभिन्न उत्पाद यथा– आलू से स्टार्च, चिप्स, त्वरित सब्जी बनने योग्य आलू, भण्डारण और ट्रांसपोर्ट के लिए सुगम व सस्ता विकल्प, आलू आटा आदि अनेक पदार्थ आलू के मिश्रण से न विकसित हो जिससे आलू उत्पादन करने वाले किसान भी लाभान्वित हो सकें। और जो आलू उपयुक्त भण्डारण उपलब्ध न हो पाने से शीतगृह नजदीक सड़क पर महीनों सड़ते रहते हैं, उससे निजात मिल सके तथा पर्यावरण शुद्ध रह सके।

शिमला स्थित अनुसन्धान केंद्र पर चिप्सोना और चंद्रमुखी आलू की लुभावनी किस्में विकसित हो चुकी हैं जिनसे उत्तम गुणवत्ता के चिप्स बनाये जा सकते हैं।

सब्जी के तौर पर भी यह आलू पूरे उत्तरप्रदेश व अन्य राज्यों में पहाड़ी आलू के नाम से उस समय बिकता है जब लोकल आलू भण्डारण की अवधि में अंकुरित हो जाने से खाने योग्य नहीं रहता यह जहरीला हो जाता है, क्योंकि अंकुर स्फुरण से इसमें दो रसायन जिन्हें ग्ल्यकोएल्कलॉइड्स कहते हैं आलू के अंदर बन जाते है, इनमें सोलनिन्स और चाकोनिन्स प्रमुख हैं। उदयपुर में आलू बेचने वाले इन अंकुरों को हमेशा तोड़ते रहते हैं। राजस्थान के व अन्य आलू खरीदकर खाने वाले लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि जो जहरीला रसायन अंकुरण से पैदा हो गया है वह तो अंकुर हटाने पर भी आलू के अंदर रह जाता है। और यह भूनने, उबालने, पकाने आदि से भी नष्ट नहीं होता, केवल आलू का स्किन पूरी तरह हटाने से यह अधिकांश छिलके में चला जाता है।

आलू के एक टूबर में अनेक आँखें होती हैं जिनसे अंकुर स्फुरण होता है। गृहणियां तो एक सप्ताह का आलू–प्याज लेकर रख लेती हैं। ऐसे में घरों में भी आलू का अंकुरण होता रहता है और गृहणियां इसके दुष्प्रभाव से अनभिज्ञ रहती हैं। अंकुरण से आलू की बाज़ारू गुणवत्ता भी कम हो जाती है। उदयपुर और प्रदेश के अन्य शहरों में भी संभवत: ऐसा आलू ही बिकता है क्योंकि इस प्रदेश में अनभिग्यता की पराकाष्ठा और कृषि ज्ञान प्रसार कार्यक्रमों में शिथिलता है। ये आलू मुख्य रूप से सूअरों को खिलाने और उन पर जल्दी चर्बी बढ़ाने में काम आता है।

फल व बागवानी महाविद्यालय अनुसंधान और विस्तार निदेशालय जैसे उपक्रम संसाधनों सहित सभी कुछ मौजूद है लेकिन इन सबकी आँखें और दिमाग बंद हो चुके हैं। उपभोक्ता सरकार से पूछे कि पहाड़ी आलू उदयपुर में क्यों नहीं आता और बिकता? जबकि अन्य प्रदेशों के छोटे शहरों में भी यह सुगमता से उपलब्ध होता है। अंकुरित आलू खाना सुरक्षित नहीं है। इसमें मौजूद रसायनों के पेट में पहुंचने पर पेट दर्द, उबकाई आना, उल्टियां, दस्त व अन्य पाचन तंत्र सम्बन्धी व्याधियां और सिर दर्द, बुखार और बेचैनी आदि लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं। फलस्वरूप लोग उदयपुर में व अन्य जगह बिकने वाला अंकुरित आलू नहीं खाये। यदि वे चाहते हैं कि उन्हें अंकुरित आलुओं में मौजूद विषैले रसायनों की हानि से बचे रहना हो, आलू की कुकिंग करते समय भी ये विष पूरा नष्ट नहीं होता इसलिए कुकिंग के समय आलू कच्चा नहीं रहना चाहिए ताकि विषैले रसायन की मात्रा कुछ विष प्रभावी हो सके। वैसे ऐसी रिपोर्ट हैं कि ये विषैले रसायन ताप से नष्ट नहीं होता।

अंतिम अनुरोध और सलाह शासन और प्रशासन से भी किया है कि वे इस बात की समुचित व्यवस्था करें और व्यापारियों को भी निर्देशित करें कि वे अंकुरित आलू और अन्य ऐसी हानिकारक फल, सब्ज़ी, आदि न बेचे। फ़ूड सेफ्टी प्राधिकरण और जिला प्रशासन से भी अनुरोध किया है कि संभावित जहरीले खाद्य उपभोक्ताओं को न बेचे जायें।

गौरतलब है कि आलू काफी समय से देश में एक सब्जी के तौर पर लोग उपयोग में ला रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि सबसे पहले आलू एक भोज, जो सर टॉमस रौ ने बादशाह जहाँगीर के सम्मान में रामसर (अजमेर) नामक स्थान पर दिया था। इस शाही दावत में आलू के कई व्यंजन परोसे गए थे, इससे पूर्व बादशाह ने अजमेर में ही टॉमस रौ के सम्मान में भोज दिया था।

कहते हैं इस अवसर पर बादशाह ने टॉमस रौ को देश में तिजारत करने की आज्ञा प्रदान की थी, स्थान था 'रामसर' अजमेर के पास जहां आज भी एक सरकारी फार्म संभवत: संचालित है।

वहां कुछ वर्ष पूर्व स्विट्ज़रलैंड सरकार के साथ एक अनुबंध के तहद राजस्थान की एक प्रसिद्ध बकरी की नस्ल पर अनुसंधान और एक्सटेंशन कार्य संचालित किया गया था। इस शाही दावत से खुश होकर बादशाह ने सर टॉमस रौ से आलू का उत्पादन भारत में करने का अनुरोध किया था। इतिहास की सच्चाई पता नहीं परन्तु तब से आलू बहुत बड़े स्तर पर देश के प्रत्येक प्रदेश में विभिन्न किस्मों का उगाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में राष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र कई वर्षों से अनुसंधान करने और विभिन्न उपयोगों हेतु आलू विकसित करने के अनुसंधान में संलग्न है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 26 जून, 2024

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 1:05 तक, विष्कुम्भ योग प्रात: 6:14 तक, कौलव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–वृष, शुक्र–मिथुन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज नागपंचमी (बंगाल) कोकिला पंचमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:04 तक, शुभ 10:47 से 12:29 तक, चर 3:55 से 5:37 तक, लाभ 5:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा सफल रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मानसिक तनाव बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
घर–परिवार के कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद समाप्त होंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिज्ञनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है।

मीन
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

झगड़े में महिला सहित 5 लोग घायल

हिंडौन सिटी । सूरौठ थाना क्षेत्र के बेरखेड़ा में सोमवार रात को आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें एक पक्ष के महिला सहित 5 लोग घायल हो गए।

घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के सर्जन डॉक्टर जेपी मीना ने बताया घायल पक्ष बेरखेड़ा निवासी संतोष देवी जाटव (35), कैलाश चन्द (32), अंकित (25), भागसिंह व एक अन्य है। उन्होंने बताया कि घायलों के सिर पर ज्यादा चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को भर्ती किया गया है।

घायल महिला ने बताया कि सोमवार को गांव के पड़ोसियों ने रात करीब 8.30 बजे घर आकर उसके साथ गाली गलौच शुरू कर दिया। वहीं लाठी-डंडों से लैस होकर आए पड़ोसियों ने महिला पर हमला कर दिया। जिसके बाद बीच बचाव करने पहुंचे महिला के देवर अंकित व कैलाश पर हमला कर दिया।

जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी हमले में भागसिंह व एक अन्य भी घायल हो गए।

घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। इधर घायल पक्ष ने मंगलवार को सूरौठ थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट पेश की है।

जिला कलेक्टर रूपवास के दौरे पर, विभिन्न जलस्त्रोतों का किया निरीक्षण

भरतपुर (निस)। जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव मंगलवार को जिले के रूपवास उपखण्ड मुख्यालय के भ्रमण पर रहे जहॉ तहसील कार्यालय एवं शहर में विभिन्न जल स्त्रोतों का निरीक्षण कर आमजन की समस्या निराकरण प्रक्रिया एवं बरसात के समय जल निकासी के प्रबन्धों का मौका मुआयना किया। जिला कलक्टर ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर काश्तकारों से संबंधित समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा निर्धारित समयावधि में समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिये।

- **जिला कलेक्टर जल स्त्रोतों एवं नालों से कचरा निकासी के साथ पानी के आवक के मार्गों की सफाई कराने के निर्देश दिये**
- **जलस्त्रोतों के आसपास पौधारोपण कर उनकी देखभाल सुनिश्चित करने हेतु विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये।**

जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव मंगलवार को जिले के रूपवास उपखण्ड मुख्यालय के भ्रमण पर रहे।

उन्होंने कहा कि किसानों को छोटे-छोटे कार्यों के लिये विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें इसके लिये स्वप्रेरित होकर क्षेत्र में चिन्हित समस्याओं का निराकरण करें।

उन्होंने कहा कि भूमि पैमाइश, सीमा ज्ञान, पत्थरगढी, रास्तों के अतिक्रमण संबंधी आवेदनों का प्राथमिकता से निस्तारण करें जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित नहीं हो तथा किसानों में आपसी झगडे नहीं हो। उन्होंने किसानों को फसल बीमा एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिये जमाबन्दी आदि के लिये चक्कर नहीं लगाने पड़ें यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने आमजन से प्राप्त होने वाले परिवादों, ऑनलाईनपोर्टल एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाली शिकायतों को संवेदनशीलता से लेते हुये शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर ने शहर के विभिन्न जल स्त्रोतों एवं जलभराव क्षेत्रों में साफ सफाई एवं पानी निकासी के लिये किये गये प्रबंधों का मौका मुआयना किया।

उन्होंने कहा कि बरसात के समय आबादी क्षेत्र में पानी भराव की समस्या नहीं रहे इसके लिये पम्पसैट आदि संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

उन्होंने जल स्त्रोतों एवं नालों से कचरा निकासी के साथ पानी के आवक के मार्गों की सफाई कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वर्षा का पानी व्यर्थ बहकर नहीं जाये जलस्त्रोत में एकत्रित होने से भूजल रिचार्ज होने के साथ जैवविविधता के काम आयेगा।

उन्होंने जलस्त्रोतों के आसपास पौधारोपण कर उनकी देखभाल सुनिश्चित करने हेतु विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये।

उन्होंने फूटा तालाब सहित विभिन्न स्थानों पर जलस्त्रोतों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी रूपवास बाबूलाल, तहसीलदार रूपवास अमित कुमार शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

अधिकारियों की बैठक, निर्देश दिए

धौलपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों की पालना एवं बाल विवाह रुकवाने के संबंध में मंगलवार को मीटिंग का आयोजन हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रेखा यादव के अवकाशागार में अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिले के समस्त तहसीलदारों को अवगत कराया कि यदि उचित प्रयास करने के बाद भी दुर्घटना में शामिल वाहन का नम्बर, पहचान सुनिश्चित नहीं की जा सकी है, तो रिपोर्ट दर्ज होने की तारीख से एक माह के भीतर पुलिस स्टेशन का प्रभारी अधिकारी घायल या मृतक के कानूनी प्रतिनिधियों को लिखित रूप से सूचित करेगा कि 'हिट एण्ड रन' मोटर दुर्घटना योजना के तहत मुआवजा का दावा किया जा सकता है।पुलिस द्वारा मृतक के कानूनी प्रतिनिधियों या घायलों को उनके क्षेत्राधिकार वाले दावा जांच अधिकारी के कार्यालय का पता व सम्पर्क विवरण जैसे ई-मेल आईडी आदि पुलिस द्वारा प्रदान किये जाऐगें। साथ ही पुलिस स्टेशन का प्रभारी अधिकारी दुर्घटना की तारीख से एक महीने के भीतर अंतिम दुर्घटना रिपोर्ट दावा जांच अधिकारी को अग्रेषित करेगा। दावा जांच अधिकारी आवेदन प्राप्त होने के एक माह के भीतर यह निर्धारित करेगा कि दावा राशि का वास्तविक दावेदार कौन है व रिपोर्ट दावा निपटान आयुक्त को प्रेषित करेगा। जिले में दावा जांच अधिकारी के रूप में संबंधित तहसीलदार को नामित किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री को लिखा पत्र

भरतपुर (निस)। पूर्व मंत्री एवं भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने केन्द्रीय कौशल विकास एवं उधमशीलता मंत्री तथा राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयन्त चौधरी को पत्र लिखकर भरतपुर संभाग मुख्यालय पर एक और केन्द्रीय विद्यालय तथा सैनिक स्कूल खुलवाये जाने की मांग की है ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों को अध्ययन करने में सुविधा मिल सके। डॉ. गर्ग ने केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी को लिखे पत्र में कहा कि प्रदेश का पूर्वी द्वार कहलाये जाने वाला भरतपुर संभाग मुख्यालय है। यह जिला शिक्षा की दृष्टि से अभी भी काफी पिछडा हुआ है। हांलाकि उनके प्रयासों से भरतपुर में काफी शिक्षण संस्थान खोले गये हैं। भरतपुर क्षेत्र के युवाओं में पढाई के प्रति अधिक रूचि है और यहां के विद्यार्थियों ने अपनी योग्यताओं से कई उपलब्धियां हांसिल की हैं। डॉ. गर्ग ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि भरतपुर क्षेत्र के युवाओं में जोश और जुनून है। यहां के युवा सेना में भर्ती होने के लिये दिन और रात मेहनत करते हैं और शारीरिक दृष्टि से भी वह कुशल हैं। कृषि प्रधान क्षेत्र होने की वजह से किसानों के बच्चों को अध्ययन के लिये परेशानी का सामना करना पडता है। उन्होंने कहा कि भरतपुर एनसीआर क्षेत्र में आने के कारण यहां औद्योगिक इकाईयों की स्थापना नहीं हो पाती है। इस कारण यहां बेरोजगारी का आलम है। ऐसे में भरतपुर को एज्युकेशन हब बनाने की जरूरत है और यहां के विद्यार्थी को अध्ययन करने के लिये भरतपुर में एक और केन्द्रीय विद्यालय तथा सैनिक स्कूल खोलने की नितान्त आवश्यकता है। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री चौधरी से आग्रह किया कि आगामी केन्द्र सरकार के प्रस्तावित बजट में शिक्षा के क्षेत्र में भरतपुर में केन्द्रीय विद्यालय और सैनिक स्कूल खुलवाया जाये ताकि यहां के युवाओं एवं किसान परिवार से जुडे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा का लाभ मिल सके।

89 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किये

भरतपुर (निस)। श्री हरिदत्त ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स द्वारा टैक्नोलॉजी पार्क में "निशुल्क रोजगार मेले" का आयोजन किया गया जिसमें 89 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। रोजगार मेले के मुख्य अतिथि निदेशक डा. आलोक शर्मा रहे एवं अध्यक्षता समाज सेवी हरिदत्त शर्मा ने की। रोजगार मेले में आये युवाओं को सम्बोधित करते हुए डा. आलोक शर्मा ने बताया कि यह बिना किसी प्रवेश शुल्क अथवा राशि के आयोजित किये जाने वाला रोजगार परख आयोजन है। जिसमें भरतपुर अंचल के आई.टी.आई. पास युवाओं एवं शिक्षितों को रोजगार प्रदान करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाता है। रोजगार मेले के संयोजक चौधरी टैक्नो कार्ट के धर्मवीर चौधरी ने बताया कि निशुल्क रोजगार मेले में आये 178 युवाओं ने लिखित परीक्षा दी। जिसमें वैकल्पिक प्रश्न पत्र पूरा करने का एक घण्टे का समय दिया गया। लिखित परीक्षा 114 युवाओं ने पास की, जिनका 3 सदस्यी दल जिसमें अशोक कुमार शर्मा, गोपाल प्रसाद, मोहित सिंह ने तकनिकी प्रश्न का मौक टेस्ट व साक्षात्कार लिया

मीणा महासभा ने की शिक्षा मंत्री दिलावर के बयान की भर्त्सना

करौली (नि.स.)। राजस्थान आदिवासी मीना महासभा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष प्रो रामेश्वर मूंडरी ने राजस्थान सरकार में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बयान कि आदिवासियों का डीएनए टेस्ट करना होगा कि वे अपने बाप की औलाद हैं या नहीं एवं दूसरा बयान कि आदिवासी अच्छे हिन्दू हैं इसकी कड़ी भर्त्सना की है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी राजकुमार मीना नारोली ने बताया कि प्रो रामेश्वर मूंडरी ने प्रेस नोट जारी करके कहा है कि ऐसे जिम्मेदार पद पर बैठे हुए व्यक्ति द्वारा आदिवासियों पर घृणित टिप्पणी का पूरा आदिवासी समाज घोर निन्दा करता है इसके लिए दिलावर आदिवासी समाज से माफी मांगे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि आदिवासी हिन्दू नहीं है हमारी सांस्कृतिक विरासत,रीति-रिवाज,संस्कृति एवं सामाजिक पिछड़ापन से हमारी पहचान है हमें जबरदस्ती हिन्दू बनाने की कोशिश मत करो वरना हमें मजबूरन कानून का सहारा लेना पड़ेगा हमसे आदिवासी होने का प्रमाण पत्र मांगने वाले या देने वाले आप होते कौन हो रही बात डीएनए टेस्ट की डीएनए टेस्ट से कोई और डरता होगा हम नहीं, जरूर करवाएं दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा हम प्राचीन काल से इस देश के मूल निवासी हैं जल जंगल जमीन हमारी पहचान है।

हम इस देश के मूल निवासी हैं,आप हमें किसी धर्म से जोड़ने वाले कौन होते हैं, हम प्रकृति पूजक हैं और हमेशा रहेंगे इस ओछी मानसिकता वाले बयान पर मदन दिलावर को आदिवासी समाज से माफी मांगनी होगी वरना आगे इस गलती के दुष्परिणामों के लिए तैयार रहें।

भाजपा ने आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया काला दिवस

करौली (नि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जिला करौली द्वारा आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर काला दिवस के रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करौली जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया द्वारा की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टोंक सवाई माधोपुर के पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया रहे तथा विशिष्ट अतिथि करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर एवं लोकसभा प्रत्याशी इंदुदेवी की रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने बताया कि भारतीय इतिहास में 25 जून को आपातकाल लगा यह दिन लोकतंत्र की हत्या का दिन था 25 जून को उस समय की तत्कालीन कांग्रेस सरकार से भारत की

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाह के रूप में संपूर्ण भारत में आपातकाल घोषित किया गया तथा निर्दोष और मासूम भारतीय जनता को इसकी सजा भुगतनी पडी। इंदिरा गांधी के आदेश पर भारत वर्ष में पुरुषों की नसबंदी का कार्यक्रम चलाया गया इसके विरोध में विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ गिरफ्तारियां दी आज इस दिन को संपूर्ण भारतवर्ष को एक काला दिवस के रूप में रूप में मनाते हैं। प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रहलाद सिंहल,जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह,धीरेंद्र बैसला, हरि सिंह बैरवा, विधानसभा संयोजक योगेश कुमार शर्मा उर्फ योगी,ललित शर्मा, पुष्पेंद्र सैनी, धन सिंह माली,तरुण शर्मा,देवेंद्र कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऋण आवेदन पत्र आमंत्रित

करौली (नि.स.)। नगर परिषद आयुक्त करणी सिंह ने बताया कि दीनदयाल अन्तोदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन डे-एनयूएलएम के स्वरोजगार घटक के अंतर्गत व्यक्तिगगत रोजगार एवं उद्यम स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से अधिकतम 2 लाख रू का ऋण बैंक द्वारा अनुदानित वार्षिक ब्याज दर पर करौली शहर मे निवास करने वाले बीपीएल, अन्त्योदय, आस्थाकार्डधारी चयनित परिवार अथवा ऐसे शहरी गरीब परिवार जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रू से कम है ऋण आवेदन पत्र आमंतित्र किये गये है। उन्होने बताया कि ऐसे पात्र व्यक्ति जो स्वयं का उद्यम स्थापित करना चाहते है। वह आवेदन करने हेतु पुरानी नगर पालिका,प्राईवेट बस स्टेण्ड के पास एनयूएलएम ऑफिस नगर परिषद,करौली मे आधार कार्ड, राशन कार्ड,बैंक पास बुक,पासपोर्ट फोटो एवं बीपीएल कार्ड ना हो तो निर्धारित सीमा का आय प्रमाण पत्र उक्त दस्तावेजों सहित 25 जुलाई तक जमा करवा सकते है।

जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया

करौली(नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने मंगलवार को शहर मे स्थित सामान्य चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होने मेडिकल वार्ड,आईसीयू, मेल सर्जिकल वार्ड, फीमेल सर्जिकल वार्ड, ओपीडी सहित अन्य चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों को मरीजो को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने, नियमित साफ सफाई करवाने,दवाईयो की समुचित उपलब्धता रखने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिये। इसके अलावा जिला कलेक्टर ने वार्डो के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजो से चर्चा की एवं उपलब्ध करवाई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. रामकेश मीना,डॉ गोविन्द गुप्ता सहित अन्य चिकित्साकर्मी उपस्थित रहे।

करौली मे भाजपा पदाधिकारियो ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर काला दिवस मनाया।

समीक्षा बैठक सम्पन्न

गंगापुर सिटी। भारत सरकार के नीति आयोग के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट में आशान्वित ब्लॉक की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के कियान्वयन एवं प्रगति की निर्धारित संकेतक वार समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने बताया कि नीति आयोग द्वारा गंगापुर सिटी को आशान्वित ब्लॉक के अन्तर्गत चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि नीति आयोग द्वारा प्रत्येक ब्लॉक के लिए निर्धारित कार्यक्रम के तहत विभिन्न मानक एवं संकेतक तय किए गए है। कुल 40 संकेतकों में से 6 संकेतकों के शत प्रतिशत लक्ष्य को जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के सम्बंध में विस्तृत चर्चा की गई।

बेरोजगार युवाओं ने रैली निकाल कर किया विरोध प्रदर्शन

धौलपुर। राजस्थान सरकार द्वारा तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 कर देने के विरोध में मंगलवार को धौलपुर शहर में बेरोजगार युवाओं ने रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

- **तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण30 से बढ़ाकर 50 कर देने के विरोध में बेरोजगार युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया**

इस मामले को लेकर सुबह 10 बजे बेरोजगार युवा एकीकृत पार्क धौलपुर में एकत्रित हुए। यहां बैठक करने के बाद रैली के रूप में विरोध प्रदर्शन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां कुछ समय तक युवाओं ने धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद धौलपुर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बेरोजगार युवाओं का कहना है कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का कोटा 50 करना न्याय उचित नहीं है। महिला सीट रिजर्व कर देने के बाद एक्स सर्विसमैन, विधवा, विकलांग का भी कोटा निश्चित है। ऐसे में फिर लड़कों के लिए क्या बचेगा ? यह लड़कों के साथ अन्याय है। वहीं परीक्षा में लड़कियों की अपेक्षा लड़कों की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में युवाओं में बेरोजगारी बढ़ेगी। जिससे वे आत्महत्या जैसे कदम उठा सकते हैं।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री से महिलाओं के आरक्षण कोटे को पुन: 30 करने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में छात्र नेता बीके कुशवाह, देवेंद्र कुशवाह, दीपेश कुमार, कृष्णा, भोलू, शिवकुमार, नरेंद्र शर्मा, कृष्णकांत आदि शामिल हैं।

दो दिवसीय हरि कीर्तन दंगल आज से

करौली (नि.स.)। कैलालादेवी रोड स्थित ग्राम पंचायत बरखेड़ा के गांव नकटीपुरा में सैनी हरि कीर्तन मंडल के तत्वाधान में दो दिवसीय हरि कीर्तन दंगल का आयोजन आज बुधवार से 27 जून तक किया जा रहा है।

आयोजन समिति के मेडिया पप्पू सैनी,रामेश्वर सैनीसोहनलाल ने बताया कि सैनी हरि कीर्तन मंडल नकटीपुरा के तत्वाधान में दो दिवसीय हरि कीर्तन दंगल का आयोजन 26 जून को प्रात: 7:00 बजे प्रारंभ होगा जो 27 जून को सांय 6:00 बजे तक चलेंगे।

इस अवसर पर दंगल में स्थानीय सैनी हरि कीर्तन मंडल नकटीपुरा के अलावा सैनी हरि कीर्तन मंडल धांधुपुरा,मालियों की चौकी गंगापुर सिटी और सैनी हरि कीर्तन मंडल औडच सपोटरा की कीर्तन मंडली द्वारा धार्मिक कथाओं की प्रस्तुति हरि कीर्तन मंडल के रूप में दी जाएगी।

विशाल हरि कीर्तन दंगल को लेकर नकटीपुरा में ग्राम वासियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें दंगल से संबंधित सभी तैयारियां पूरी करने के लिए अलग-अलग लोगों को जिम्मेदारियां दी गई हैं।

भरतपुर रेंज में असामाजिक तत्वों एवं वांछित अपराधियों के विरूद्ध बडी कार्यवाही

भरतपुर (निस)। भरतपुर रेंज में असामाजिक तत्वों एवं वांछित अपराधियों के विरूद्ध बडी कार्यवाही की गई है। महानिरीक्षक पुलिस, भरतपुर राहुल प्रकाश ने बताया कि रेंज के जिला भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी एवं डीग में असामाजिक तत्वों की धरपकड एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु 23 जून की दोपहर से 24 जून की मध्य रात्रि तक एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही की गई। एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही में रेंज के समस्त जिला पुलिस अधीक्षक को महिला अत्याॉचार, हार्डकोर अपराधी, हिस्ट्री शीटर अपराधी, आदतन अपराधी, जघन्यो अपराधों में वांछित चल रहे अपराधी, आर्म्सी एक्टड के अभ्य स्त, अपराधी एवं आर्म्सड एक्टक के प्रकरणों में वांछित अपराधी, ईनामी अपराधी एवं अन्यी वांछित अपराधियों की सूचियां तैयार कर उनकी धरपकड के लिये विभिन्नर टीमें गठित करने के निर्देश दिये गये। सभी जिला पुलिस अधीक्षक ने उनकी वांछित अपराधियों की सूची तथा टीम एवं रास्ता तैयार कर दिनांक 23 व 24 जून को धरपकड एवं गिरफ्तारी कार्यवाही की। इस स्पेशल कार्यवाही में अधिकतम पुलिसकर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई और समस्त थानों, कार्यालयों, पुलिस लाइन, क्यूआरटी आरएसी कम्पनीज आदि सभी को नियोजित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्वयं टीमों को ब्रीफ कर रवाना किया गया। एरिया डॉमिनेशन के दौरान की गई कार्यवाही में सभी जिलों में 1200 पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की 300 टीमों ने कुल 1200 से अधिक स्थानों पर दबिश दी। रेंज में कुल 1100 से अधिक असामाजिक तत्वों वांछित अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। रेंज में कुल 903 वांछित अपराधी असामाजिक तत्वों को गिरफ्तारकिया गया। 14 ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जो महिला अत्यातचार के प्रकरणों में वांछित थे। 69 स्थाअई वारन्टी, उद्घोषित अपराधी, 299 सीआरपीसी गिरफ्तारी वारन्ट में वांछित अपराधी पकडे। 40 ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है जो जघन्य अपराधों में वांछित थे। 73 ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है जो सामान्य अपराधों में वांछित थे। 5 ऐसे आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जो प्रकरणों में वांछित थे। 7 ईनामी अपराधी गिरफ्तार किये गये। 13 ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जो आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस के प्रकरणों में वांछित थे। 1 हार्डकोर जो वांछित था को गिरफ्तार किया गया। 6 हिस्ट्री शीटर जो वांछित थे को गिरफ्तार किया गया। 534 व्यक्तियों को धारा 151 सीआरपीसी में गिरफ्तार किया गया। 141 व्यक्तियों को नवीन दर्ज प्रकरणों में गिरफ्तार किया गया। रेंज में कुल 203 अपराधियों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई। 4 हार्डकोर, 65 हिस्ट्री शीटर एवं 51 आदतन अपराधियों, 25 आर्म्स एक्ट के अभ्यस्त अपराधी एवं 58 एनडीपीएस एक्ट के अभ्यस्त अपराधियों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई।

- **एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही के तहत रेंज में कुल 903 वांछित अपराधी गिरफ्तार किया**

भरतपुर रेंज में असामाजिक तत्वों एवं वांछित अपराधियों के विरूद्ध बडी कार्यवाही की गई।

आपसी कलह में युवक ने खाया जहर

हिंडौन सिटी । समीप के गांव कांचरोली में मंगलवार को पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के चलते थाना मंडावर के नादना निवासी एक युवक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। सदर थाना पुलिस उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जयपुर रेफर कर दिया गया। ।

सदर थाना प्रभारी कैलाश चन्द ने बताया कि, कीटनाशक दवा के सेवन से नादना (दौसा) निवासी हरिओम जोगी (26) की तबीयत बिगड़ने पर उसे कांच रोली स्थित ससुराल से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक द्वारा रेफर करने के बाद युवक को पुलिस कर्मियों के साथ जयपुर भेजा गया और उसके परिजनों को सूचना दे दी गई।

पुलिस के अनुसार, हरिओम और उसकी पत्नी के बीच काफी दिनों से मनमुटाव चल रहा है। उसकी पत्नी ने सदर थाने में पति के खिलाफ दहेज का मामला भी दर्ज करा रखा है। युवक मंगलवार को अपनी ससुराल पत्नी से मिलने और समझाइश के लिए आया था। इस दौरान सूचना मिली कि उसने कीटनाशक पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस मौके पर जाप्ते के साथ पहुंच गई।

ड्यूटी चिकित्सक डॉ. अंकुश अग्रवाल ने बताया कि कीटनाशक दवा के सेवन से युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया है।

भाजपा ने आपातकाल को लेकर मनाया काला दिवस

गंगापुर सिटी । भारतीय जनता पार्टी गंगापुर सिटी और बामनवास क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने आपातकाल की बरसी काला दिवस के रूप में मनाई।

बैठक में साल 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की ओर से देश में लगाए गए आपातकाल के दौरान जेल भरो अभियान के अंतर्गत जेल जाने वाले गंगापुर सिटी निवासी सेवानिवृत शिक्षक उमेश शर्मा का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया और भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित ने उमेश शर्मा का शॉल ओढाकर सम्मान किया।

पूर्व सांसद जौनापुरिया और भाजपा जिलाध्यक्ष दीक्षित ने कहा कि आपातकाल की भारतीय जनता पार्टी कडे शब्दों में निंदा करती है।

इस दिवस को काला दिवस के रूप में मनाने का आ ान करते हुए आपातकाल के दौरान जेल भरो कार्यक्रम के अंतर्गत देश की जेलों को भरने वाले लोकतंत्र सेनानियों को याद किया।

कार्यक्रम के दौरान किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष धनसिंह मावई, बामनवास प्रधान शशिकला मीणा, जिला संयोजक मंजू सिंहल, पूर्व सभापति हरिप्रसाद बोहरा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नागेश लोढी, शहर मंडल अध्यक्ष एडवोकेट नवीन शर्मा, उपप्रधान पुष्कर जाट, उपसभापति वीरेंद्र पुजारी, संजय गोयल, मनोज बंसल, रामसिंह खटाना, दीपक सिंघल, डॉ. हेमंत शर्मा, मनमोहन बजाज, महेश खंडेलवाल, प्रदीप सरकार, मिथलेश व्यास, धनेश शर्मा, विष्णु गुरुजी, सवाई सिंह, कमलेश महावर, बनवारी चौहान, गोविंद गुप्ता, नरेन्द्र पंडा, गोपाल गर्ग, दिलीप पंवार, देवेश पितलिया, प्रतिभा सोनी, राधा दीक्षित, वीरू बजाज, विजय गुर्जर, नरेंद्र हरसाना, मुरारी मीणा, नमो मीणा, प्यारेलाल मीणा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे

प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग लगी, 90 लाख का माल जला

आगजनी से तीन गोदामों में रखा माल और मशीनें जलकर खाक हो गई

कपासन में सिंचाई प्लास्टिक पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई।

कपासन, (निसं)। कपासन में सिंचाई प्लास्टिक पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। अज्ञात कारणों से लगी आग की लपटों को देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और कपासन पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

■ **सिंचाई पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में प्लास्टिक दाना सहित बड़ी मात्र में पाइप रखे हुए थे, जिससे आग तेजी से फैल गई**

वहीं आगजनी से तीन गोदाम में रखा माल और वहां लगी मशीनें जलकर खाक हो गई। घटना रीको इंडस्ट्रीज एरिया में कमल प्लास्टिक इंडस्ट्री फैक्ट्री में मंगलवार सुबह चार बजे की है। फैक्ट्री मालिक ने 90 लाख का नुकसान होना बताया है। फैक्ट्री मालिक उदयपुर निवासी राजकुमार जैन (धाकड़) ने बताया कि वो और उनकी पत्नी फैक्ट्री स्थित आवास पर ही सो रहे थे। मंगलवार को सुबह करीब पांच बजे लाइट बंद होने पर उनकी नींद खुली। उसी दौरान पड़ोस की फैक्ट्री से उन्हें आग लगने का पता चला। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि आग 2500 स्क्वायर फीट क्षेत्र में बने तीनों गोदाम और वहां लगी मशीनों में फैल गई है। इसके बाद कपासन फायर ब्रिगेड और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड सहित पानी के पंप वाले टैंकर मौके पर आए और आग बुझाने में जुट गए। वहीं चित्तौड़गढ़ से भी एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पास ही ट्रांसफार्मर की फैक्ट्री थी, लेकिन बड़ा हादसा टल गया।

सिंचाई पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में प्लास्टिक दाना सहित बड़ी मात्र में पाइप रखे हुए थे। जिससे आग तेजी से फैल गई। वहीं पाइप बनाने वाली फैक्ट्री के पास ही ट्रांसफार्मर की फैक्ट्री है, जिसमें बड़ी मात्रा में तेल और ट्रांसफार्मर रखे हुए थे, लेकिन समय रहते आग पर काबू पा लेने से आग तीन गोदाम से आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे गोदाम में रखा माल और वहां लगी मशीनें जलकर राख हो गई।

शॉर्ट सर्किट से रेडीमेड कपड़ों के शोरूम में भीषण आग लगी

बंद शटर में नीचे और ऊपर की तरफ से धुंआ उठता देख रास्ते से जा रहे लोग चिल्लाए

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में अस्पताल रोड पर एक रेडीमेड कपड़ों के शोरूम में सोमवार रात अचानक आग लग गई। बंद शटर से धुंआ उठता देख रास्ते से जाने वाले लोग चिल्लाए। शोरूम मालिक ने शटर खोला तो वहां आग लगी हुई थी। एक बार दमकल का पानी खत्म होने के बाद उसे वापस आने में घंटे भर से ज्यादा का समय लग गया। इस बीच टैंकर से आग बुझाने के प्रयास हुए, लेकिन तब तक कपड़े जलकर राख हो गए।

■ **नगर परिषद से दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन एक दमकल से आग नहीं बुझा पाए**

जानकारी के अनुसार शहर में अस्पताल रोड पर महाराणा प्रताप सर्कल के पास स्थित टीम पेरिस के शोरूम में सोमवार रात को अचानक आग लग गई। घटना से करीब दो घंटे पहले ही शोरूम बंद किया गया था। बंद शटर में नीचे और ऊपर की तरफ से धुंआ उठता देख रास्ते से जा रहे लोग चिल्लाए। इसके बाद लोगों की भीड़ लग गई। शोरूम मालिक भी आ गए। शटर खोलते ही अंदर से आग की लपटें उठने लगी। धुएं के गुबार निकलने लगे। नगर परिषद से दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन एक दमकल से आग नहीं बुझा पाए और कपड़ों में लगी आग बढ़ने लगी। फायर ब्रिगेड की दूसरी गाड़ी खराब होने से वही गाड़ी फिर से पानी लेने पहुंची, लेकिन वह वापस आती तब तक एक घंटे से ज्यादा का वक्त हो गया। इस बीच टैंकर से आग बुझाने के प्रयास हुए, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। घंटेभर बाद फायर ब्रिगेड के आने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक कपड़े जल गए थे।

नगर परिषद के कार्यवाहक आयुक्त कुलदीप सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से शोरूम में आग लगना बताया जा रहा है, लेकिन जांच के बाद ही असली कारणों का पता लग सकेगा।

शोरूम से आग की लपटें उठती देख आसपास के व्यापारी भी घबरा गए। शोरूम के नजदीक ही एक किराना सामान का उपभोक्ता बाजार था, जबकि दूसरी ओर कपड़ों का एक और शोरूम था। आग लगने के बाद आस-पास की दुकानों के व्यापारी भी पहुंच गए और उनकी दुकान तक आग नहीं पहुंचे इसके लिए प्रयास में जुट गए। नगर परिषद के पास दो फायर ब्रिगेड है। जिसमें से एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब बताई जा रही है। उसी वजह से एक फायर ब्रिगेड का पानी खत्म होने के बाद उसी गाड़ी को वापस आने में घंटेभर का वक्त लग गया। दूसरी फायर ब्रिगेड की गाड़ी होती तो समय पर आग बुझाई जा सकती थी। फायर ब्रिगेड को लेकर भी लोगों ने आक्रोश जताया।

सूरसागर उपद्रव मामला : स्थिति सामान्य होने लगी

45 जनों की गिरफ्तारी के बाद एक पक्ष ने केस दर्ज कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर इलाके आंबों का बास व्यापारियों का मोहल्ला में गत गुरूवार को उपजे सांप्रदायिक तनाव के बाद अब क्षेत्र में शांति बहाल होने लगी है। बाजार खुल चुके हैं और स्थिति तेजी से बदल रही है। पुलिस ने प्रकरण से जुड़े से 45 लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया था और उनसे अब पूछताछ चल रही है। वहीं एक और केस महिला की तरफ से अब दर्ज करवाया गया है, जिसमें आरिफ नाम के शख्स सहित अन्य को नामजद किया गया है। सूरसागर में यह दूसरा मामला प्रकरण के संबंध में दर्ज हुआ है।

■ **अब तक दो प्रकरण दर्ज, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी**

पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश यादव ने बताया कि स्थिति अब तेजी से सामान्य होने लगी है। बाजार खुल चुके हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस का जाब्ता तैनात है और प्रताप नगर वृत के पांच थानों क्षेत्रों सूर सागर, प्रताप नगर, प्रताप नगर सदर, देव नगर और राजीव गांधी नगर में धारा 144 लागू है। एक महिला रूपावतों का बास सूरसागर निवासी लाजवंती गहलोत ने आरिफ सहित अन्य शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

रिश्वत लेते कांस्टेबल ट्रैप

सीकर, (निसं)। सीकर एसीबी की टीम ने लक्ष्मणगढ़ में मंगलवार को कार्रवाई कर लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने के कॉन्स्टेबल को सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है। टीम के डीवाईएसपी रविंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी कि उसके खिलाफ उत्तरप्रदेश के हाथरस के पुलिस थाना कोतवाली में दर्ज एक मामले में उत्तरप्रदेश पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल मनोज तस्दीक करने के लिए आए थे। 11 जून को लक्ष्मणगढ़ थाने का कॉन्स्टेबल रघुवीर भी उनके साथ परिवादी के पास गया। दोनों ने परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसके बाद कॉन्स्टेबल रघुवीर सात हजार रुपए की रिश्वत लेने पर सहमत हुआ, जिसके बाद करवाई करते हुए रघुवीर को सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है।

चार हजार की रिश्वत लेते फायरमैन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो कोटा टीम ने सांगोद कस्बे में ट्रैप कार्रवाई की है। टीम ने सांगोद नगर पालिका के फायरमैन को 4 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। फायरमैन देवेंद्र बिल पास करने की एवज में परिवादी से रिश्वत की डिमांड कर रहा था। परिवादी ने इसकी शिकायत कोटा एसीबी चौकी में दी, जिसके बाद कोटा की टीम ने सांगोद जाकर ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया।

एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि परिवादी ने नगर पालिका सांगोद में हुए कार्य में एलईडी वॉल लगाने का काम किया था। जिसका 18 हजार का भुगतान बाकी था। बिल पास करने की एवज में फायरमैन देवेंद्र ने पांच हजार की डिमांड की। चार हजार में सहमति बनी। परिवादी की शिकायत पर मामले का सत्यापन करवाया। सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। जिसके बाद आज टीम ने सांगोद में ट्रेप का जाल बिछाया। दोपहर में परिवादी ने नगर पालिका में जाकर फायरमैन को रिश्वत की रकम दी। टीम ने फायरमैन को पकड़ लिया। फायरमैन ने लेखाशाखा रूम में बैठकर रिश्वत ली। फायरमैन के पास पहले लेखा शाखा का काम था। फिलहाल कार्रवाई जारी है। आरोपी के घर व संभावित ठिकाने पर सर्च कार्रवाई जारी है।

■ **फायरमैन ने बिल पास करने की एवज में परिवादी से रिश्वत मांगी थी**

जीएसटी टीम ने व्यापारी के दो ठिकानों पर छापा मारा

व्यापारी के बेटे ने जीएसटी टीम से छीना-झपटी की, कागज लेकर फरार हुआ

कोटपूतली, (निसं)। जिले के बानसूर कस्बे में जीएसटी विभाग की टीम ने एक व्यापारी के दो ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान कस्बे के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। विभाग की टीम देर शाम तक व्यापारियों के ठिकानों पर जांच कर रही थी।

जानकारी के अनुसार कस्बे के व्यापारी ओमप्रकाश के नारायनपुर रोड पर किराना दुकान और ऑयल मील कर रखी है, जहां जीएसटी विभाग की टीम मंगलवार को कार्रवाई करने पहुंची। जीएसटी टीम व्यापारी की दुकान पर कागजों की जांच कर रही थी। इसी दौरान व्यापारी का बेटा आया और टीम के साथ हाथापाई कर कागज लेकर फरार हो गया। इस दौरान विभाग की अधिकारी ऋतु यादव ने बानसूर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बानसूर थाना प्रभारी अरुण सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली और घटना को लेकर सीसीटीवी कैमरे चैक किए। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी जीएसटी विभाग की कार्रवाई चल रही है। अभी तक किसी प्रकार की कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। कार्रवाई पूरी होने के बाद ही मामले का पता लग पाएगा।

बानसूर में जीएसटी टीम ने दुकान में कार्यवाही की।

207 अपराधी गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर पुलिस ने एक दिन में ताबड़तोड़ कार्रवाई की। पुलिस की 52 टीमों ने 249 स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने विभिन्न मामलों में 207 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर राहुल प्रकाश आईपीएस के निर्देशन एवं धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देशन में सोमवार को अभियान के अन्तर्गत धौलपुर जिले में पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़ के सुपरवीजन में सभी थानों पर विशेष टीमें गठित कर अलग अलग स्थानों पर दबिशें दी गईं। इस अभियान में करीब 250 पुलिस अधिकारियों और जवानों की 52 टीमों ने कार्रवाई में भाग लेकर 249 स्थानों पर दबिश देकर 207 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

आकाशीय बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौत

करौली, (नि.सं.)। करौली के निकटवर्ती बहादुरपुर गांव में आकाशीय गर्जना के साथ बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्राम पंचायत बहादुरपुर के धर्म सिंह पुत्र नारायण माली की 32 बकरियों की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। गणपत शर्मा एवं रामजीत माली ने बताया कि बकरी चराने वाला अपनी बकरियों को रोज की भांति प्रात: जंगल में बकरियों को चराने ले गया। धर्म सिंह माली अपनी बकरियों को लेकर जंगल में चरा रहा था। शाम को वह करीब छह बजे के लगभग घर वापस लौट रहा था तो रास्ते में वर्षा के दौरान आकाशीय गर्जना के साथ बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर हलका पटवारी व ग्राम विकास अधिकारी ने जायजा लिया। वहीं मामचारी थाना पुलिस ने पशु चिकित्सालय के चिकित्सक से पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई।

बहादुरपुर में बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौत हो गई।

युवक ने सुसाइड किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। वार्ड नंबर आठ में एक युवक ने पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। श्रीमाधोपुर के वार्ड आठ निवासी मुकेश कुमार जाट ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया मृतक मुकेश कोटा के कैथून नगर पालिका में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। युवक करीब 8-10 दिन से अपने घर श्रीमाधोपुर आया हुआ था। सूचना पर एसआई बनवारीलाल यादव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर शव को कब्जे में लेकर सीएचसी की मॉर्च्यूरी में रखवाया।

महिला से दुष्कर्म

हनुमानगढ़, (निसं)। आधार कार्ड बनाने गई विवाहिता से जान-पहचान कर संपर्क बढ़ाकर अश्लील फोटो खींचने व उसे वायरल करने की धमकी देकर बलात्कार करने के आरोप में नोहर थाने में दो जनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पीड़िता ने रिपोर्ट दी कि वर्ष 2015 में उसका विवाह हुआ था। इसके बाद उसे तीन संतान हुई। चार साल पहले उसके पति का देहांत हो गया। करीब चार माह पहले वह आधार कार्ड बनाने प्रमोद ई-मित्र के पास गई थी। तब उसकी मुलाकात वहां काम करने वाले सुरेन्द्र मेघवाल से हुई। आरोपी ने मोबाइल फोन नंबर लेकर उससे बात शुरू कर दी। करीब दो माह पूर्व जब वह अपने मंदबुद्धि भाई की देखभाल करने पीहर आई तो आरोपी उसके पास आया और बलात्कार किया। आरोपी ने उसकी अश्लील फोटो खींच ली और वायरल करने की धमकी देते हुए दो-तीन बार देहशोषण किया। इसके बाद आरोपी ने उसे किसी ओर के सुपुर्द कर दिया। सुभाष नाम के व्यक्ति ने भी एक माह तक उसके साथ बलात्कार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड जालोर

क्रमांक-/लेखा/2024-25/1563 दिनांक- 18.06.2024

ई-बिड सूचना संख्या 02 वर्ष 2024-25

NIB Code- WRD2425A0076

माननीय राज्यपाल महोदय राजस्थान सरकार की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के प्रथम चरण में बाडमेर जिले में स्वीकृत कार्य Repair Raising and Restoration of Godimar Anicut (अनुमानित राशि 48.74 लाख) की E-Procurement प्रक्रिया द्वारा दिनांक 21.06.2024 से 30.06.2024 को सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 01.07.2024 को प्रात 11.00 बजे खोली जायेगी। उपरोक्त बोली में भाग लेने वाले ठेकेदार/फर्म जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत हो या के.लो.नि.वि.ए. डाक, दूरसंार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूबिद्ध हो जो राजस्थान राज्य के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो वे निर्धारित अअवधि में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in से बोली हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। जिसका विवरण निम्नलिखित वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है एवं खण्ड कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस देखा जा सकता है। (UBN: WRD2425WSOB00298)

अधिशाषी अधियन्ता
जल संसाधन खण्ड जालोर

DIPR/C/4656/2024

अनियंत्रित होकर पिकअप पलटी, 28 महिला और पुरुष घायल

मांडल से माली समाज के लोग दाह संस्कार में बरडोद (हमीरगढ़) जा रहे थे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में माण्डल से बरडोद में दाह संस्कार में जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पिकअप सवार कई लोग घायल हो गए, जिनका हमीरगढ़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। गंभीर घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है।

■ **जोधसिंहजी का खेड़ा के पास विकट मोड़ पर पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई**

थाना प्रभारी दिलीपसिंह ने बताया कि मांडल से माली समाज के लोग दाह संस्कार में बरडोद (हमीरगढ़) जा रहे थे। जोधसिंहजी का खेड़ा के पास विकट मोड़ पर पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। पिकअप में महिलाएं और पुरुष सहित कुल 28 लोग सवार थे जो सभी घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से हमीरगढ़ व भीलवाड़ा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हमीरगढ़ हॉस्पिटल में इलाज के बाद एक पुरुष और दो महिलाएं गंभीर घायल होने के चलते उन्हें भीलवाड़ा रेफर किया गया था, लेकिन हमीरगढ़ हॉस्पिटल में एक ही डॉक्टर होने के कारण हमीरगढ़, गंगरार की एंबुलेंस एवं प्राइवेट वाहन की सहायता अन्य लोगों को भी भीलवाड़ा भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घायल होने वालों में मांडल निवासी सीमा पत्नी कालू माली, मंजू पत्नी नारायण माली, कैलाशी पत्नी भीमराज माली, कंकू पत्नी घीसू माली, कोयली पत्नी स्व. बंशीलाल माली, पीरू पुत्र दोला माली, मोहनी पत्नी मिश्रीलाल माली, केसर पत्नी कालू माली, नंदू पत्नी नारायण माली, प्रिया पत्नी धनराज माली, नानू पत्नी लादू माली, कालू पुत्र कजोड़ माली, सुखदेव पुत्र छीतर माली, देवकरण पुत्र बंशीलाल माली, बंशीलाल पुत्र मांगीलाल माली, पन्नालाल पुत्र शंकर माली, धन्नी पत्नी हाबूलाल माली व सोसर पत्नी बंशीलाल माली आदि शामिल है।

घायलों को एम्बुलेंस से हमीरगढ़ व भीलवाड़ा अस्पताल में भर्ती करवाया।

जवाहर कला केन्द्र

JKK Jawahar Kala Kendra, Jaipur

जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर

JKK GSTIN - 08AAAJJ0462D1ZM

खुली निविदा सूचना संख्या- 2024-25/3082, 3084 एवं 3085

		NIB: JKK2425A0002 UBN: JKK2425WSOB00001	NIB: JKK2425A0003 UBN: JKK2425SLOB00002	NIB: JKK2425A0004 UBN: JKK2425WSOB00003
1	कार्य का नाम	जवाहर कला केन्द्र में स्थित केन्द्रीय वातानुकूलन संयंत्र 150 टन का कौम्प्रेहेन्सिव (Comprehensive) वार्षिक रखरखाव व संचालन संबंधी (आवश्यकतानुसार) अनुबंध	जवाहर कला केन्द्र में मासिक आधार तथा केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किराये पर वाहनों की व्यवस्था	केन्द्र की वी.आई.पी. पार्किंग में डामर सड़क (Mastic Asphalt) का कार्य
2	अनुमानित लागत राशि	7.00 लाख	27.00 लाख	18,00,000/- लाख
3	बोली प्रपत्र शुल्क (रुपये)	500/-	1000/-	500/-
4	बोली प्रतिभूति शुल्क (कैश, बैंकर चैक, डी.डी., अतिरिक्त महानिदेशक ज.क.के. के नाम से देय)	14000/-	54000/-	3600/-
5	बिड प्रोसेसिंग शुल्क (रुपये)		500/- एम.डी आई.आर.एस.एल जयपुर	500/- एम.डी आई.आर.एस.एल जयपुर
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि		एक वर्ष	45 दिवस
7	निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि	दिनांक 21.6.24 से 28.6.24 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 24.6.24 से 03.7.24 को दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 24.6.24 से 03.7.24 को सायं 6.00 बजे तक
8	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 28.6.24 को दोपहर 2.00 बजे तक	दिनांक 25.04.23 को दोपहर 2.00 बजे तक	दिनांक 4.7.24 को दोपहर 1.00 बजे तक
9	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 28.6.24 को दोपहर 3.00 बजे तक	दिनांक 4.7.24 को दोपहर 3.00 बजे से	दिनांक 4.7.24 को दोपहर 3.00 बजे
10	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक	बाद में सूचित किया जायेगा	बाद में सूचित किया जायेगा	बाद में सूचित किया जायेगा

*निविदा शुल्क एवं बिड सिक्योरिटी राशि में डी.डी. की फोटो प्रति निविदा के साथ संलग्न करें। *दर निविदा खोलने की दिनांक - तकनीकी रूप से सफल निविदादाताओं को उचित माध्यम से सूचित कर दिया जायेगा। *निविदादाता द्वारा निविदा शुल्क एवं बिड सिक्योरिटी राशि अतिरिक्त महानिदेशक जवाहार कला केन्द्र जयपुर के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक/डी.डी. के रूप में कार्यालय में जमा कराना आवश्यक है। *इन निविदाओं को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है, तथा निविदादाता इन प्रपत्रों को डाउनलोड कर सकते है।

राज.संवाद/सी/24/1245

शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की उन्नित में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प के अनुरूप युवा शक्ति के उन्नयन के साथ शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात के दौरान सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी का मानना है कि इस देश में युवा, महिला, किसान, गरीब जैसे चार वर्ग हैं, जिनके उत्थान के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत आरक्षण करने से प्राथमिक स्तर पर हमारे बच्चों की नींव मजबूत होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी परिवर्तित बजट में युवाओं के कल्याण तथा सशक्तीकरण के लिए विभिन्न निर्णयों का समावेश किया जाएगा। इस अवसर पर युवाओं ने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने, रोजगार के लिए विशेष अभियान, खेल सुविधाओं का विस्तार, महिला सुरक्षा, परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों को युवाओं की समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान का भी माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इससे पहले संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर ध्येय यात्रा पुस्तक भेंट की। इस दौरान राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात की।

- 'देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण'
- 'बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी राज्य सरकार'

एक नेता की निजी अदावत का नुकसान उठाया जयपुर कांग्रेस ने

जयपुर, (का.प्र.)। एक कांग्रेस नेता की निजी आदावत जयपुर शहर की पूरी कांग्रेस को पिछले 2 साल से भारी पड़ रही है और इसका नुकसान न सिर्फ कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में, बल्कि लोकसभा चुनाव में भी नुकसान उठाना पड़ा और आगे आने वाले निकाय चुनाव में भी कांग्रेस को यह नुकसान होना तय है। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जो जयपुर नगर निगम हेरिटेज की महापौर को लेकर एक तरह से निजी लड़ाई लड़ते दिख रहे हैं। दूसरी ओर पूरी कांग्रेस 2 साल से इस लड़ाई को तमाशबीन बनकर देख रही है।

यह पूरी कहानी तब से है, जब जयपुर में दो नगर निगम बनाए गए थे। सभी को यह बात याद होगी कि पहले सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र ग्रेटर का हिस्सा बनाया गया था और मालवीय नगर हेरिटेज नगर निगम का हिस्सा बनाया गया था, लेकिन उसे समय कैबिनेट मंत्री पद पर रहते हुए प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस सीमांकन को बदलवाकर सिविल लाइन को हेरिटेज का हिस्सा बनवाया, तो मालवीय नगर ग्रेटर का हिस्सा बन गया। इसका फायदा यह हुआ कि मुस्लिम वोटर्स के सहारे कांग्रेस का बोर्ड बना, लेकिन मुस्लिम पार्षद 80 प्रतिशत जीतने के बावजूद खुद की ओबीसी महिला को इसलिए महापौर नहीं बनवा पाए, क्योंकि जयपुर के दोनों मुस्लिम विधायक रफीक खान और अमीन कागजी नहीं चाहते थे, कि कोई ओर मुस्लिम नेता जयपुर में उभरे। इसका फायदा यह हुआ कि प्रताप सिंह अपनी खाचरियावास ने सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र से जीती मुनेश गुर्जर को महापौर बनवा दिया, लेकिन ऐसे में उप महापौर का पद मुस्लिम के हिस्से गया और प्रताप सिंह खाचरियावास के बेहद नजदीकी पार्षद मनोज मुद्गल उप महापौर बनने से चूक गए।

चर्चा है कि कांग्रेस 2 साल से लगातार इस तमाशे को देख रही है, कि किस तरह से महापौर मुनेश गुर्जर से प्रताप सिंह खाचरियावास के राजनीतिक संबंध बिगड़ने के बाद उन्होंने हर दिन महापौर को हटाने का हर प्रयास किया। जब ऐसा नहीं हुआ और उसके बाद जब एसीबी ने महापौर के घर छापा मारा और उनके पति की गिरफ्तारी हुई, तो खाचरियावास और उनके साथ ही अमीन कागजी और रफीक खान गुट के पार्षदों की तरफ से इस तरह का दबाव बनाया जाता रहा। हालांकि महापौर दो बार हाईकोर्ट से स्टे लेकर पद पर बैठ गई।

अब एसीबी को महापौर की मिलीभगत के सबूत मिले हैं, लेकिन अभियोजन स्वीकृति सरकार जब तक नहीं देती, तब तक महापौर पद पर बैठी है। इस पूरे प्रकरण में कांग्रेस के नेता पहले भी मूकदर्शक थे आज भी सिर्फ नोटिस दिए गए हैं। हालांकि जयपुर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष आर आर तिवारी ने इस मामले को लेकर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और जयपुर के प्रभारी विधायक रोहित बोहरा को स्पष्ट कहा है कि अगर कड़ी कार्यवाही नहीं की गई, तो पार्टी में अनुशासनहीनता के मामले और बढ़ेंगे।

- दो साल से कांग्रेस बनी रही मूकदर्शक, इसका नुकसान कांग्रेस को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उठाना पड़ा
- चर्चा है कि यह लड़ाई कांग्रेस पार्षदों की नहीं, बल्कि खाचरियावास और मुनेश गुर्जर की है

आपातकाल लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान : मुख्यमंत्री

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत के संविधान और लोकतंत्र में निष्ठा रखने वाले लोग 25 जून 1975 का दिन कभी नहीं भूल सकते। आज जो लोग लोकतंत्र एवं संविधान बचाने का ढोंग कर रहे हैं, उनके द्वारा इस दिन देश में लागू किया गया आपातकाल लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान है।

शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संविधान संरक्षण मंच द्वारा आयोजित 'संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में प्रतिबद्धता' विषयक संगोष्ठी में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान को सर्वोपरि मानती है। उन्होंने देश के संविधान की रक्षा का अपना वचन बार-बार दोहराया है और प्रदेश में भी संविधान की रक्षा का दायित्व हम पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अल्प समय में ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि एक हजार से बढ़ाकर 1150 रुपए करने, किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा कर 8 हजार रुपए करने, 73 लाख परिवारों की महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग से आह्वान किया कि वंचित तबके को केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराएं ताकि वे भी समाज की मुख्य धारा में जुड़ सकें।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने सम्बोधन में 1975 में तत्कालीन सरकार द्वारा आपातकाल लागू किए जाने से जुड़ी दमनकारी घटनाओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आपातकाल में लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष के कारण ही देश में पुन: लोकतंत्र बहाली हो सकी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास की भावना के अनुरूप अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सहित वंचित वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। राज्य विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि बाबा साहेब ने वंचितों को बराबरी का हक दिलाने के लिए समता का मार्ग दिखाया, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक सरसंघचालक डॉ. केशवराव हेडगेवार ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। समता और समरसता दोनों ही आपसी बंधुभाव में निहित हैं।

विधायक रामसहाय वर्मा ने संविधान संरक्षण मंच के द्वारा इस संगोष्ठी के आयोजन के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में विधायक, संविधान संरक्षण मंच के पदाधिकारी, वर्तमान एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारीगण और बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रदेश कार्यालय पर भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आपातकाल की बरसी पर विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। भाजपा कार्यालय में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने युवाओं को कांग्रेस के काले कारनामे बताए। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 के दिन ही तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आपातकाल' की घोषणा की थी। भाजपा आज इस दिन को भारतीय लोकतंत्र में काले दिवस के रूप में मना रही है। जब इंदिरा गांधी के चुनाव को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध घोषित कर दिया था। जेपी आंदोलन अपने चरम पर था। तब इंदिरा गांधी ने बिना कैबिनेट की स्वीकृति लिए राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से हस्ताक्षर करवाकर देश को जेल की कोठरी के रूप में बदल दिया। लोकतंत्र की हत्या करते हुए इंदिरा गांधी ने सारे नेताओं को जेल में डाल दिया और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया। सभी के मौलिक अधिकारों का हनन किया गया था। लाखों लोगों को जेल में ठूंस दिया गया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक पर प्रतिबंध लगा दिया। इन सब के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने बहुत बड़ा संघर्ष किया। इसके बाद चुनाव हुए और चुनाव में इंदिरा गांधी हार गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने आज अपने दिल्ली स्थित आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 25 जून 1975 के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा कर सभी के मौलिक अधिकारों का हनन किया था। भाजपा आज के दिन को सम्पूर्ण देश में काला दिवस के रूप में मना रही है। यह लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन है, आज के दिन लोकतंत्र को रौंदा गया था।

- 'संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में प्रतिबद्धता' विषयक संगोष्ठी में मुख्यमंत्री सम्मिलित हुए
- 'प्रबुद्ध वर्ग वंचित तबके को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराएं'
- आपातकाल लगाकर इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या की, स्वयं सेवकों को जेल भेजा और चौथे स्तंभ पर लगाया प्रतिबंध : घनश्याम तिवाड़ी

सीकर रोड पर ड्रेनेज प्रोजेक्ट का शिलान्यास

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को 36.88 करोड़ लागत से बन रहे सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट शिलान्यास किया। दिया कुमारी ने कहा कि मानसून में जल-भराव की समस्या से सभी लोग बरसों से परेशान थे, परन्तु आज इस ड्रेनेज प्रोजेक्ट अब इस समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल पायेगा।

उन्होने कहा कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट, रेलवे ओवर ब्रिज, बालिका कॉलेज और सेटेलाईट हास्पिटल आ रहे हैं। अन्य जनसमस्याओं की निराकरण के लिए मैं जल्द ही इलाक़े में साप्ताहिक जनसुनवाई शुरु करने जा रही हूँ। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा होने से भवानी निकेतन, ढेहर के बालाजी, अल्का सिनेमा, 1 नंबर सन एण्ड मून, मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर आदि क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। वार्ड नं 4 में दो करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से सर्वोदय कॉलोनी से लालाराम नगर बढारना में जल निकास ड्रेनेज का निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी, समस्त मंडल अध्यक्ष, समस्त वार्ड पार्षद, मोर्चा अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, व्यापार मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता व विद्याधर नगर के सम्मानित जन मौजूद रहे।

विधायक आवास परिसर में सुविधाओं का विस्तार

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को यहां विधायक आवास परिसर में बैंक एटीएम ई-कॉर्नर, सहकारी उपभोक्ता संघ, सरस डेयरी और चिकित्सालय का उद्घाटन संसदीय कार्य मंत्रीजोगाराम पटेल, डेयरी मंत्रीजोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री गोतम कुमार, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधानसभा के सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की मौजूदगी में किया।

देवनानी ने कहा कि विधायक आवास परिसर में लगभग 125 विधायक और उनके परिजन निवास कर रहे हैं। परिसर में यहां के निवासियों की आवश्यकताओं के अनुरुप सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। एसबीआई बैंक एटीएम का ई-कॉर्नर, सहकारी उपभोक्ता संघ का विविध वस्तु भण्डार, सरस डेयरी का पार्लर और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के लिये शहरी स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारम्भ किया गया है। भविष्य की आवश्यकतानुसार अन्य सुविधाओं का भी समयानुसार विस्तार किया जायेंगा।

देवनानी ने कहा कि चिकित्सालय में वर्तमान में ऐलोपेथी और होम्योपैथी चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। भविष्य में जरूरत के अनुरूप आयुर्वेद चिकित्सकों की भी यहाँ सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी। चिकित्सालय का समय भी आवश्यकतानुसार बढ़ाया जायेगा। परिसर में एक समिति का गठन किया गया है, जो यहां निवास कर रहे लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगी। उन्होंने कहा कि परिसर की सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किये गये है। यहां रहने वाले विधायक, उनके परिजन और उनके अतिथि की सुविधा और सुरक्षा के इंतजाम किये गये हैं।

देवनानी ने कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सभी को साथ लेकर चलने के बेहतर प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि 16वीं विधानसभा के द्वितीय सत्र के आरम्भ होने से पहले भी सर्वदलीय बैठक बुलाकर बात की जायेंगी। आगामी 2 जुलाई को प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक का मकसद है कि सदन नियमों के अनुसार शांतिपूर्ण चलें।

तबादले पर अधिकरण ने रोक लगाई

जयपुर, (का.सं.)। सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने पंचायती राज विभाग के अधीन कार्यरत कर्मचारी का तबादला आदेश उसके कार्यग्रहण करने के तीन दिन बाद रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने मामले में प्रमुख पंचायती राज सचिव, सवाई माधोपुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और गंगापुर सिटी जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अधिकरण ने पूछा है कि जब तबादला आदेश की पालना में कार्य ग्रहण कर लिया गया तो ट्रांसफर आदेश को रद्द क्यों किया गया। अधिकरण ने यह आदेश देवकी नंदन की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता विजय पाठक ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाडा में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत था। गत सात मार्च को उसका तबादला यहां से गंगापुर सिटी जिला परिषद में कर दिया।

दो स्थानों से सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को हटाया

जयपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने जोन-9 में गोमती नगर द्वितीय सांगानेर में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनाई जा रही अवैध दुकान को ध्वस्त किया।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-7 में ग्राम सिरसी में रोड़ पर सड़क सीमा में आ रहे कब्जा-अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया। जोन-9 में गोमती नगर द्वितीय सांगानेर में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनाई जा रही अवैध दुकान को प्रारम्भिक स्तर पर पूर्णत: ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-14 में ग्राम बिलवा चन्द्रवन के सामने रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा जोन-7 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सिरसी रोड़ पर कब्जा-अतिक्रमण कर कन्टेनर डीपो लगाकर, पत्थर मलवा इत्यादि डालकर किये गये कब्जे-अतिक्रमण को आज जोन-7 में रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-7 स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

इसी प्रकार जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बिलवा चन्द्रवन के सामने रोड़ सीमा पर कब्जा-अतिक्रमण कर थड़ी, छप्पर पोष इत्यादि लगाकर किये गये कब्जे-अतिक्रमण को आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-14, 10 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

डी-मार्ट से 1.80 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार झोटवाड़ा जोन की टीम द्वारा सिरसी रोड़ वार्ड नं. 48 स्थित निर्माणाधीन डी-मार्ट से 1 लाख 80 हजार रूपये का जुर्माना राशि वसूल किया। उपायुक्त झोटवाड़ा जोन कमलेश मीना ने बताया कि सिरसी रोड़ वार्ड नं. 48 स्थित डी-मार्ट के निर्माणधीन भवन की निर्माण सामग्री सरकारी भूमि पर डालकर अस्थाई अतिक्रमण किये जाने पर नोटिस जारी किये गये। नोटिस दिये जाने के बाद झोटवाड़ा जोन की संयुक्त टीम ने डी-मार्ट की निर्माणाधीन बिल्डिग के ठेकेदार और प्रतिनिधि से 1 लाख 80 हजार रूपये की जुर्माना राशि वसूल की।

जयपुर में पीने के पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन

जयपुर। राजधानी में लोग पीने के पानी के लिए परेशान है। मंगलवार को दोपहर बाद चारदीवारी के पास स्थित बासबदनपुरा एरिया की खारवाल बस्ती की महिलाओं ने परेशान होकर बदनपुरा चौकी का घेराव कर दिया और रास्ते पर धरना देकर बैठ गईं।

दरअसल, बासबदनपुरा में अब तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई। यहां पीएचईडी की तरफ से टैंकर के जरिए ही पानी सप्लाई होता है। स्थानीय महिला शांति देवी ने बताया कि यहां करीब 100 से ज्यादा परिवार 50 साल से रह रहे हैं। यहां 50 साल से पानी की सप्लाई अब तक शुरू नहीं हुई। कुछ समय पहले सरकार ने यहां लाइन बिछाने का काम शुरू किया तो कुछ जगह लाइन डालने के बाद काम बंद कर दिया। आज भी यहां 100 से ज्यादा परिवार के लोग टैंकर से पानी भरकर अपना गुजर-बसर कर रहे है। आज पानी की सप्लाई नहीं होने से परेशान महिलाएं दोपहर करीब 3 बजे धरने पर बैठ गईं। पुलिस चौकी की सामने दो दर्जन से ज्यादा महिलाएं और पुरूष चौकी के सामने रस्सी लेकर खड़े हो गए और रास्ता बंद कर दिया। इससे ट्रेफिक रूक गया। इस दौरान बारिश शुरू हो गई तो महिलाएं सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं।

विरोध बढ़ता देख जेईएन सुरभि पुलिस चौकी पहुंची। उन्होंने प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आश्वासन दिया कि दो दिन का समय दे विभाग यहां दोबारा लाइन बिछाने का काम शुरू करवा देगा। जेईएन ने बताया कि आप ही में से कुछ लोगों ने विरोध करके यहां काम कर रहे ठेकेदार के कर्मचारियों को भगा दिया था। जेईएन ने बताया कि इस कॉलोनी में 100 मीटर से ज्यादा लम्बाई में लाइन बिछाने का काम शुरू किया था, लेकिन 40 मीटर में लाइन बिछने के बाद लोगों ने ही काम बंद करवा दिया।

- महिलाओं ने सड़क पर धरना दिया
- बदनपुरा पुलिस चौकी का घेराव कर नारेबाजी की

साइबर थाने की खिड़की से कूद कर अपराधी भागा

जयपुर। साइबर थाने से सोमवार देर रात एक बदमाश पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। जानकारी के अनुसार साइबर ठगी के आरोप में साइबर थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। कमरे में पूछताछ के दौरान पुलिसकर्मी के बाहर आने पर बदमाश खिड़की से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश में जगह-जगह दबिश दी। लेकिन उसका कोई पता नहीं लग सका। इस संबंध में पुलिस ने विधायकपुरी थाने में फरार बदमाश के खिलाफ पुलिस कस्टडी से भागने का मामला दर्ज करवाया है।

साइबर थानाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि पुलिस कस्टडी से भागने वाला आरोपी दीपक सिंह (21) पुत्र राजेन्द्र सिंह खण्डार सवाई माधोपुर का रहने वाला है। साइबर थाने में दर्ज मामले में आरोपी दीपक सिंह के साइबर फ्रॉड के लिए फेक अकाउंट उपलब्ध करवाने का पता चला था। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर दबिश देकर आरोपी दीपक सिंह को रविवार शाम गिरफ्तार किया था। पुलिस टीम ने सोमवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया था।

ग्रेटर निगम 1000 रु. में खरीदेगा ट्री गार्ड, हैरिटेज निगम में 2100 रु. चुकाने की तैयारी!

इस मानसून हैरिटेज निगम 2.66 करोड़ में खरीदेगा 12700 ट्री गार्ड, जबकि ग्रेटर में 74 लाख की लागत से लिए जाएंगे 7400 ट्री गार्ड

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम की उद्यान शाखा इन दिनों चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए बेवजह करोड़ों रुपए उड़ा रही है। हैरिटेज निगम ने इस मानसून में लगाए जाने वाले पौधों की सुरक्षा के लिए 12700 ट्री गार्ड का टैंडर करीब 2.66 करोड़ रुपए में निकाला है, यानी कि 1 ट्री गार्ड करीब 2100 रुपए में खरीदा जाएगा।

ताज्जुब की बात यह है कि ग्रेटर निगम में भी 7400 ट्री गार्ड लिए जाने है, लेकिन इनकी अनुमानित लागत सिर्फ 74 लाख रुपए रखी गई है, यानी कि एक ट्री गार्ड सिर्फ 1000 रुपए में खरीदा जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि जयपुर के दोनों नगर निगम की उद्यान शाखा की कार्यशैली में इतना भारी अंतर क्यों है?

सूत्रों की माने तो हेरिटेज नगर निगम की उद्यान शाखा ने पिछले दिनों हवामहल-आमेर और किशनपोल जोन के लिए 4000, आदर्श नगर के लिए 4500 और सिविल लाइन्स के लिए 4200 ट्री गार्ड खरीदने के लिए निविदा जारी की है। बताया जा रहा हैं कि इन कुल 12700 ट्री गार्ड की अनुमानित लागत करीब 2.66 करोड रुपए रखी गई है। हैरिटेज निगम प्रशासन ने ट्री गार्ड की जो साइज और ऊंचाई तय की है, जिसके अनुसार इसका वजन अनुमानित करीब 16-17 किलो होगा।

वहीं दूसरी ओर ग्रेटर नगर निगम ने जो 7500 ट्री गार्ड मांगे हैं, उनका अनुमानित वजन करीब 9 किलो होगा। खास बात यह है कि ग्रेटर निगम मात्र 1000 रुपए में ट्री गार्ड लेगा, जबकि हैरिटेज निगम करीब 2100 रुपए में।

सूत्रों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन ने इस बार भी अलग शर्त यह रखी है कि, जो फ़र्म इन टेंडरों में भाग लेगी, उसे पिछले तीन वर्षों में से किसी एक वर्ष में सरकारी विभाग, निगम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लोहे के ट्री गार्ड आपूर्ति का अनुभव होना चाहिए, जो कि इन टेंडरों की एक तिहाई राशि के बराबर होना चाहिए। जबकि ठेकेदारों का कहना है कि ट्री गार्ड की क्वालिटी देखने के बजाय अधिकारी बेवजह की शर्तें लगाकर चहेतों को फायदा पहुंचाना चाहते है।

चर्चाएं यह है कि अधिकारियों ने यह शर्त उन ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए रखी है जो पहले नगर निगम में ट्री गार्ड सप्लाई का काम कर चुके हैं। हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रैक्टर्स सोसाइटी समेत करीब आधा दर्जन फर्मों ने इन शर्तों को लेकर निगम प्रशासन के समक्ष आपत्ति भी जताई थी, लेकिन अधिकारियों ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

सूत्रों की माने तो ग्रेटर और हैरिटेज निगम पिछले कई वर्षों से ट्री गार्ड की खरीद करता आ रहा है। हर साल करीब 15 से 20 हजार ट्री गार्ड लिए जाते हैं, लेकिन अगला मानसून आते आते यह ट्री गार्ड गायब हो जाते हैं। बताया जा रहा है कि पार्षदों के अनुशंसा पत्र पर पेड़ और ट्री गार्ड लगाए जाते हैं, लेकिन इनकी मॉनिटरिंग नहीं हो पाने के कारण इन ट्री-गार्ड का कोई अता-पता नहीं रहता। नियमानुसार उद्यान शाखा के अफसरों को बकायदा रजिस्टर में ट्री गार्ड की एंट्री करनी होती है, लेकिन पिछले कई सालों से यह काम भी बंद हैं।

- सूत्रों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन ने इस बार भी शर्त यह रखी है कि, जो फ़र्म इन टेंडरों में भाग लेगी, उसे पिछले तीन वर्षों में से किसी एक वर्ष में सरकारी विभाग, निगम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लोहे के ट्री गार्ड आपूर्ति का अनुभव होना चाहिए, जो कि इन टेंडरों की एक तिहाई राशि के बराबर होना चाहिए। जबकि ठेकेदारों का कहना है कि ट्री गार्ड की क्वालिटी देखने के बजाय अधिकारी बेवजह की शर्तें लगाकर चहेतों को फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

बहुचर्चित देवीराम मुल्लाका हत्याकांड में फरार दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

मामले में पूर्व में आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है, 13 फरार चल रहे थे

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कामां थाने के बहुचर्चित देवी राम मुल्लाका हत्याकांड में तीन साल से फरार चल रहे 25-25 हजार रुपए के दो इनामी अभियुक्तों को दस्तयाब किया है। मामले में पूर्व में 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है, 13 अभियुक्त फरार चल रहे थे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि विभिन्न मामलों में वांछित एवं अपराध जगत में सक्रिय बदमाशों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान में पुलिस मुख्यालय से प्रदेश के विभिन्न शहरों में भेजी गई एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की टीम आसूचना संकलन कर लगातार कार्रवाई कर रही है। एडीजी ने बताया कि डीआईजी क्राइम योगेश यादव के सुपरविजन एवं एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश के नेतृत्व में एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हैड कांस्टेबल मदन लाल शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार की टीम भरतपुर की ओर रवाना की गई। टीम को सोमवार को सूचना मिली कि देवीराम हत्याकांड का एक आरोपी हरियाणा के पलवल और दूसरा थाना खोह जिला डीग के पसोपा इलाके में फरारी काट रहा है। इस सूचना पर एजीटीएफ द्वारा कामां एसएचओ मनीष शर्मा का सहयोग प्राप्त कर मंगलवार को इनामी अपराधी राम अवतार गुर्जर पुत्र रामप्रताप निवासी मुल्लाका को पलवल के आगरा चौक एवं दूसरे इनामी बबली गुर्जर पुत्र रामप्रताप निवासी मुल्लाका को थाना खोह क्षेत्र के पसोपा गांव से घेराबंदी कर दबोच लिया। दोनों आरोपियों को कामां पुलिस ने अपने मामले में गिरफ्तार कर लिया है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने दो आरोपियों को पकड़ा।

- एक आरोपी को हरियाणा के पलवल व दूसरे आरोपी को थाना खोह इलाके से पकड़ा

यह है मामला :- गांव मुल्लाका निवासी रामवीर गुर्जर ने थाना कामां पर उनके गांव के ही चंद्रभान उर्फ चनुआ पुत्र शिवलाल वगैरा 20-25 व्यक्तियों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 11 जून 2021 की सुबह खरीदारी करने बाइक लेकर निकले उसके पिता देवीराम गुर्जर पर पुरानी रंजिश के चलते सरकारी अस्पताल व डाक बंगले के बीच लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया था, मरा समझ कर हवाई फायर करते हुए गांव आ गए। यहां आकर बंदूक के कट्टे से गोपाल पुत्र जोहरी, कल्लु पुत्र जोहरी, शिवराम पुत्र जीतराम, घनश्याम पुत्र रज्जो एवं तीन बच्चों सचिन पुत्र राजू, क्षमा पुत्री रामनिवास और उमेश पुत्री कल्लु पर भी बंदूक व देशी कट्टे से फायर कर घायल कर दिया। गंभीर घायल उसके पिता देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले दम तोड़ दिया था, बाकी घायलों का भरतपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। एडीजी ने बताया कि दोनों इनामी अभियुक्तों के बारे में आसूचना संकलन एवं गिरफ्तारी में एजीटीएफ के एएसआई शैलेंद्र कुमार व कांस्टेबल बृजेश कुमार की विशेष भूमिका एवं हैड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा की तकनीकी भूमिका रही। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना कामां से एसएचओ मनीष शर्मा व कांस्टेबल अमित कुमार ने सराहनीय योगदान दिया।

हाईटेंशन लाइन के तार चोरी मामले में एक गिरफ्तार

पचेरी कलां पुलिस ने बिजली के तार चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

खेतड़ी, (निसं)। पचेरी कलां पुलिस ने सोमवार देर शाम को खेतड़ी से नरेला जा रही हाईटेंशन बिजली सप्लाई लाइन के तार चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी हरियाणा का रहने वाला है जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर दो महीने पहले बिजली के तार चोरी कर लिए थे।

थानाधिकारी राजपाल सिंह यादव ने बताया कि इंडाली हाल ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड के चालक राकेश कुमार ने सूचना दी कि सहड़ नदी में हाईटेंशन बिजली लाइन के तारों की कुछ लोग चोरी करके ले जा रहे हैं। जब वह मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पंहुचे तो आरोपी तार लेकर फरार हो चुके थे। मामले को गंभीरता से देखते हुए एसपी राजऋषि वर्मा ने एक विशेष टीम का गठन किया और आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस की टीम आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी कि पुलिस को सूचना मिली कि तार चोरी का मुख्य आरोपी हरियाणा का रहने वाला है जो अपने गांव आया हुआ है।

- दो महीने पहले साथियों के साथ मिलकर बिजली के तार चुराए थे

इस दौरान पुलिस की एक टीम गुरुग्राम के सोहना में पहुंची, जहां पुलिस ने दबिश देकर पीर कॉलोनी सोहना निवासी दीपक पुत्र सांवरिया को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो आरोपी ने अपने साथियों के साथ हाई टेंशन लाइन के तार चोरी करने की घटना को कबूल कर लिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को पहले भी गिरफ्तार कर लिया था जो डीग जिले के कामा का रहने वाला ओमप्रकाश पुत्र सुरेश कुमार व सोहना का संजय कुमार उर्फ संजू पुत्र मस्ताना भी शामिल था। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारआरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी राजपाल सिंह यादव, एएसआई फतेहसिंह, कांस्टेबल मोतीलाल आदि शामिल थे।

कांस्टेबल को धक्का देकर पुलिस अभिरक्षा से फरार हुए आरोपी को दबोचा

पुलिस ने आरोपी के पास अवैध देशी कट्टा एवं चोरी की बाइक भी बरामद की

पुलिस टीम ने फरार आरोपी को गिरफ्तार किया।

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ थाने में कांस्टेबल को धक्का देकर फरार हुए वांछित आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास अवैध देशी कट्टा एवं चोरी की बाइक भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

थानाधिकारी सत्यवान सिंह ने बताया कि सांपला गेट सरवाड़ निवासी मोईन चौहान उर्फ पांचू (24) पुत्र उस्मान मोहम्मद मुहाना थाना पुलिस जिला जयपुर में वांछित है। मंगलवार 18 जून को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मोईन को उसके एक अन्य साथी फारुख के साथ पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु की थी। पुलिस मोईन को जयपुर पुलिस के सुपुर्द करती, उससे पहले ही वह थाना परिसर में बने शौचालय में कांस्टेबल को धक्का देकर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप अधीक्षक विनीत कुमार बंसल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचन्द्र सिंह व पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा के सुपरविजन पर विशेष टीम का गठन कर फरार आरोपी की तलाश शुरु की।

- थाना परिसर में बने शौचालय में कांस्टेबल को धक्का देकर फरार हो गया था

सोमवार को सरवाड़ थानाधिकारी सत्यवान सिंह मय पुलिस टीम के गश्त कर रहे थे। इसी दौरान जिला स्पेशल टीम के प्रभारी हैड कांस्टेबल राजेश कुमार मीणा एवं कांस्टेबल रामराज सामरिया से मोबाइल पर सूचना मिली कि फतेहगढ़ तिराहे के पास एक युवक खड़ा है। जिसके पास अवैध देशी कट्टा है तथा वह बिना नम्बरी बाइक पर कहीं जाने की फिराक में है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम को देख वहां खड़ा युवक बाइक स्टार्ट कर भागने लगा। पुलिस टीम ने युवक को घेरा डालकर धर दबोचा।

पुलिस टीम ने युवक का नाम पूछा तो उसने अपना नाम मोईन चौहान उर्फ पांचू (24) पुत्र उस्मान मोहम्मद निवासी सांपला गेट सरवाड़ बताया। तलाशी में मोईन के पास एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि जिस बाइक पर वह भागने की फिराक में था, वह बाइक भी चोरी की है। पुलिस ने देशी कट्टा व बाइक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कलेक्टर ने पं.स. कार्यालय का निरीक्षण किया

जिला कलेक्टर शरद मेहरा ने अनुपस्थित मिले दो कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस थमाए

पाटन, (निसं)। जिला कलेक्टर शरद मेहरा ने जिला मुख्यालय स्थित पंचायत समिति कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने पंचायत समिति कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारी से वहां संधारित रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने ई-फाईल व संपर्क पोर्टल पर दर्ज मामलों की जांच करते हुए लंबित मामलों को समय पर निस्तारण करने और पंचायत समिति कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिकों की समस्या पर त्वरित कार्यवाही करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान दिनेश कुमार अग्रवाल पंचायत प्रसार अधिकारी व सुरेश धायल कनिष्ठ अभियंता बिना सूचना के अनुपस्थित मिले, दोनों को कारण बताओ नोटिस देने तथा पंचायत परिसर में खड़ी दो पुरानी गाड़ियों की नीलामी करने तथा कार्यालय में साफ सफाई रखने के निर्देश भी दिए।

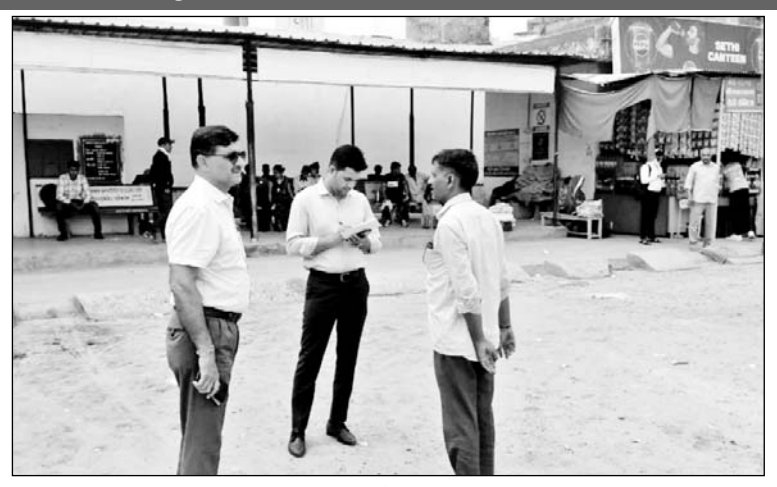

जिला कलेक्टर शरद मेहरा ने रोडवेज बस स्टैण्ड का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश।

रोडवेज बस स्टैण्ड का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश :- कलेक्टर मेहरा ने नीमकाथाना स्थित रोडवेज बस स्टैण्ड का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने यहां से प्रतिदिन जाने वाली बसों, विभिन्न डीपो से आने वाली बसों, उनके रुट तथा यात्रीभार के बारे में जानकारी ली। साथ ही कहा कि बसों को उनके रूट अनुसार व्यवस्थित लगाने, समय और किराए से संबंधित सूचना पट्ट नियमित अपडेट करने के निर्देश दिए। नगर परिषद् आयुक्त सुरेश मीणा को बस स्टैण्ड के आस-पास के अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। वहीं कलेक्टर शरद मेहरा ने नीमकाथाना स्थित एस.एन.के.पी. कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल का निरीक्षण कर पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन को मरम्मत करवाने व कॉलेज परिसर में भरने वाले वर्षा के पानी के लिए रेन वाटर हारवेंस्टिंग सिस्टम बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर परिषद आयुक्त सुरेश मीणा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के एसीपी मुकेश गाडोदिया व रामवतार यादव (कार्यालय हाजा) उपस्थित रहे।

- रोडवेज बस स्टैण्ड व एस.एन.के.पी. कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल का भी निरीक्षण किया

बेकाबू बस ने बुजुर्ग को कुचला, मौके पर ही मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। सोमवार रात को गंगापुर सिटी-जयपुर हाईवे पर नबिया का बाढ में निजी बस की टक्कर से बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हो गए और आक्रोशित लोगों ने मौके पर जाम लगा दिया, जो करीब दो घंटे तक रहा। बाद में पुलिस की समझाइश के बाद जाम खुला। मृतक के शव को गंगापुरसिटी जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक नबिया का बाढ निवासी हकीम बागवान (60) सोमवार रात को नमाज पढ़ने के लिए घर से निकला था। इस दौरान वह सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान जयपुर की ओर से आ रही एक निजी बस ने हकीम बागवान को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना का पता चलने पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जाम लगा रहे लोगों से समझाइश की।

चार गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। निहालगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित दो जनों को गिरफ्तार किया है। वहीं मोबाइल लूटने व खरीदने वाले दो जनों को और गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ब्रजेंद्र सिंह ने बताया कि कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित सनी वाल्मीकि पुत्र दीपक वाल्मीक और हेमन्त पुत्र राजेन्द्र निवासी हरिजन बस्ती तलैया मौहल्ला धौलपुर को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही मोबाइल लूटने वाले आरोपी दीपक उर्फ छोटू पुत्र भूरीसिंह कोली निवासी बरीपुरा थाना बसईडांग को गिरफ्तार किया गया है। वहीं लूटे गये मोबाइल को खरीदने वाले आरोपी राहुल को गिरफ्तार किया है।

मालिक व किरायेदार के कमरों से लाखों का सामान चोरी

धौलपुर, (निसं)। बीते कुछ दिनों से धौलपुर शहर के निहालगंज थाना क्षेत्र में चोर सक्रिय हो गए हैं। चोरों ने सोमवार बीती रात शहर की पॉश कॉलोनी में मुख्य सड़क पर मौजूद एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर मकान मालिक और किरायेदार के कमरों के ताले तोड़ करीब ढाई लाख रुपए के सामान को पार कर ले गए।

पीड़ित मकान मालिक रमेश चंद शर्मा ने बताया कि उनका मकान घंटाघर रोड पर मौजूद है। वह कुछ दिन पहले अपनी बेटी से मिलने उज्जैन गए थे, जबकि उनका किराएदार घर का ताला लगाकर अपने घर गया हुआ था। सुबह पड़ोस में रहने वाले लोगों ने उन्हें घर के ताले टूटने की सूचना दी। जिस सूचना पर उन्हें चोरी की वारदात का पता चला। पीड़ित मकान मालिक ने बताया कि चोर उनके घर से करीब 50 हजार की नगदी के साथ किराएदार के घर से करीब ढाई लाख रुपए के गहने और नगदी को पार कर ले गए। घटना को लेकर पीड़ित मकान मालिक ने उज्जैन से धौलपुर आने के बाद मुकदमा दर्ज करने की बात कही है।

गेस्ट हाउस पर संदिग्ध गतिविधियों की आशंका के चलते हंगामा

कोतवाली थाना इलाके में एक गेस्ट हाउस पर पुलिस पहुंची।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना इलाके में एक गेस्ट हाउस पर संदिग्ध गतिविधियों की आशंका के चलते युवाओं की भीड़ ने हंगामा खड़ा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस गेस्ट हाउस से युवक-युवती को पूछताछ के लिए थाने ले गई।

सीओ सिटी अशोक जोशी के अनुसार, मंगलवार दोपहर एक युवक-युवती सब्जी मंडी स्थित एक गेस्ट हाउस में गये। इसकी भनक लगते ही युवाओं की एक टोली वहां पहुंच गई और संदिग्ध गतिविधियों की आशंका के चलते गेस्ट हाउस के बाहर हंगामा खड़ा कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली थाने का जाब्ता व सीओ सिटी जोशी के साथ ही डीएसबी से एएसआई अरविंद भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। युवक-युवती के साथ ही गेस्ट हाउसकर्मी को पुलिस थाने ले गई। पूछताछ में युवक-युवती एक ही समुदाय के होकर अलग-अलग जाति के निकले। पुलिस का कहना है कि क्षेत्रवासियों ने गेस्ट हाउस में संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पूर्व में भी शिकायत की थी, जिसके आधार पर उसे पाबंद किया गया था। हंगामे के बाद स्थानीय लोगों से रिपोर्ट मिलने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- पुलिस गेस्ट हाउस से युवक-युवती को थाने ले गई

भिवाड़ी में मिट्टी माफिया ने रीको को एक करोड़ से ज्यादा का चूना लगाया

माफियाओं के माध्यम से रीको की खाली पड़ी जमीनों से मिट्टी उठाकर बेचने का काम धड़ल्ले से चल रहा है

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी में इन दिनों रीको व बीडा की सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण करने व मिट्टी खनन माफियाओं के माध्यम से रीको की खाली पड़ी जमीनों से मिट्टी उठाकर बेचने का काम धड़ल्ले से चल रहा है।

अब तक ये मिट्टी माफिया रीको के कई खाली पड़े प्लॉटों से लाखों रुपए की मिट्टी अवैध रूप से उठाकर बेच चुके हैं, लेकिन रीको विभाग अब तक इन भू माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाया है। यहां तक कि रीको के अधिकारी अपने प्लॉटों से मिट्टी उठाने से रोकने के लिए लिखित में भिवाड़ी थाने में शिकायत भी दे चुके हैं, लेकिन भिवाड़ी पुलिस ने रीको अधिकारी के द्वारा लिखित में शिकायत देने के बाद भी ना तो अभी मामला दर्ज किया है और ना ही इसमें मिट्टी माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई की है। आखिर में रीको आरएम ने इसकी शिकायत भिवाड़ी एसपी से की है। साथ ही मामला दर्ज कराते हुए मिट्टी माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

मिट्टी माफिया रीको के खाली पड़े प्लॉटों से लाखों की मिट्टी अवैध रूप से उठाकर बेच चुके हैं।

रिको प्रथम के आरएम ज्ञानेंद्र शर्मा ने बताया कि कहरानी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित उनके खाली पड़े भूखंड संख्या नंबर 156 से लगते हुए कमर्शियल प्लॉट से मिट्टी माफियाओं ने बड़ी मात्रा में मिट्टी उठाकर पास में ही निर्माणाधीन प्लॉट नंबर 261 में डाली है। इसको लेकर गत 1 मई को भिवाड़ी थाने में संबंधित ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की लिखित में शिकायत दी गई थी, लेकिन उस पर पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई तो गत 11 जून को भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेई को मिट्टी माफियाओं के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक शिकायती पत्र दिया गया है। अभी पुलिस इस मामले में कार्रवाई करने की बात कह रही है।

- रीको के अधिकारी लिखित में भिवाड़ी थाने में शिकायत भी दे चुके हैं, लेकिन ना तो अभी मामला दर्ज किया है और ना ही कोई कार्रवाई की है
- रीको आरएम ने इसकी शिकायत भिवाड़ी एसपी से की, मामला दर्ज कराते हुए मिट्टी माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की

रीको ने इस मामले को लेकर जयपुर भी उच्च अधिकारियों को शिकायत की है। कहरानी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित रीको के प्लॉट नंबर 156 से लगते हुए कमर्शियल प्लॉट में मिट्टी खनन माफियाओं ने उसमे से मिट्टी उठाकर करीब 20 से 25 फीट गहरा गड्ढा कर दिया है। इसी तरह पास में ही लगते हुए प्लॉट नंबर 118 में से भी मिट्टी माफियाओं ने मिट्टी उठाकर करीब 15 फीट से भी ज्यादा गहरा गड्ढा कर दिया है। दोनों ही प्लॉटों से उठाई गई मिट्टी की कीमत करीब एक करोड रुपए से भी ज्यादा की बताई जा रही है।

वार्नर जैसा तीनों प्रारूप में प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। मैं उनके साथ खेला भी हूं। मैंने वास्तव में उनके साथ रहने का पूरा आनंद लिया। उन्होंने जो कुछ किया उसके लिए उन्हें खुद पर गर्व होना चाहिए।

- रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान, डेविड वार्नर की प्रशंसा में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। अपनी इस पारी के दम पर रोहित शर्मा टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। ये टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर रहा। रोहित ने अपनी पारी में लगातार 8 छक्कों की मदद से 200 छक्के पूरे किए और ऐसा करने वाले वो दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के सह निर्माता फ्रैंक डकवर्थ का निधन

नयी दिल्ली 24 जून। क्रिकेट के वर्षा प्रभावित मैचों में परिणाम निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त होने वाली डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धित के सह निर्माताओं से एक फ्रैंक डकवर्थ निधन हो गया है।

वह 84 वर्ष के थे। फ्रैंक डकवर्थ का बीते शुक्रवार निधन हुआ। डकवर्थ ने साथी सांख्यिकीविद् टोनी लुईस के साथ बारिश या अन्य कारकों से बाधित सीमित ओवरों के मैचों में निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करने के लिए डीएलएस नियम को तैयार किया था। इस नियम पहली बार 1997 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किया गया था। वर्ष 2001 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसे आधिकारिक रूप से अपनाया। वर्ष 2014 में डकवर्थ और लुईस के सेवानिवृत्त होने के बाद उनके योगदान को मान्यता देते हुए इस विधि का नाम बदलकर डीएलएस कर दिया गया। डकवर्थ और लुईस दोनों को क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए वर्ष 2010 में ब्रिटेन में सम्मानित किया गया था।

सिर्फ ब्रायन लारा थे जिन्हें हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था : राशिद खान

किंग्सटाउन, 25 जून। दो महीने पहले ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा

किया था कि वह उनके भरोसे पर खरे उतरकर दिखायेंगे। और ऐसा ही हुआ। काबुलीवाला की कहानी वाले युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा होगी। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। लारा ने मई में पीटीआई संपादकों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा था ,'' वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं। चौथे स्थान के लिये मेरा दाव एक डार्कहॉर्स अफगानिस्तान पर है। मैने ग्रुपिंग देखी नहीं है लेकिन अफगानिस्तान ने जितने विश्व कप उसने अतीत में खेले हैं, यह टीम प्रगति की राह पर है और अंतिम चार में जगह बना सकती है।'' राशिद ने सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद कहा ,'' हमारे लिये सेमीफाइनल में पहुंचना सपना सच होने जैसा है। हमने न्यूजीलैंड को हराया तो यह भरोसा बनने लगा था।''

यूरो कप : क्रोएशिया से ड्रॉ के बाद इटली नॉकआउट में

बर्लिन, 25 जून। इटली के स्थानापन्न खिलाड़ी मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गोल करके क्रोएशिया को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपनी टीम को नॉकआउट चरण में जगह भी दिला दी। इससे पहले क्रोएशिया के लिये लुका मॉद्रिच ने दूसरे हाफ में गोल किया था। इटली को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी जबकि क्रोएशिया को हर हालत में जीत दर्ज करनी थी। क्रोएशिया के तीन मैचों में दो ही अंक है और अब तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में नॉकआउट चरण में जगह बनाने के लिये उसे बाकी मैचों के नतीजों का इंतजार करना होगा। इटली का सामना अंतिम 16 में शनिवार को स्विटजरलैंड से बर्लिन में होगा। संभवत: अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे क्रोएशिया के लुका मॉद्रिच ने इटली के खिलाफ गोल किया तो वह यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और उन्हें प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार भी मिला लेकिन वह इसका जश्न मनाने के मूड में नहीं थे। इटली के मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में गोल कर दिया। इससे क्रोएशिया की नॉकआउट चरण में पहुंचने की राह कठिन हो गई है।

अफगानिस्तान की ऐतिहासिक जीत पर झूमा तालिबान, विदेश मंत्री ने दी बधाई

अफगानिस्तान, 25 जून। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने लाखों अफगानिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों की भावनाओं को दोहराया जब उन्होंने मंगलवार, 25 जून को राशिद खान से वीडियो कॉल पर बात की और पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए टीम को बधाई दी। मुत्ताकी ने अपनी बातचीत (मुबारक) के साथ शुरू की, जब उन्होंने किंग्सटाउन, सेंट विंसेंट के अर्नोव वेले ग्राउंड में अपने आखिरी सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर रोमांचक जीत के ठीक बाद राशिद खान को एक संदेश भेजा। अफगानिस्तान ने पहली बार पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपनी सबसे यादगार जीत में से एक हासिल की। कैरेबियाई क्षेत्र में अफगानिस्तान ने बड़े पैमाने पर जायंट किलर साबित हुई क्योंकि उन्होंने सुपर 8 मैच में ऑस्ट्रेलिया पर सनसनीखेज जीत हासिल करने से पहले ग्रुप चरण में पूर्व फाइनलिस्ट न्यूजीलैंड को हराया था।

अफगानिस्तान पहली बार आईसीसी इवेंट के सेमीफाइनल में

लिटन दास खड़े देखते रहे, अफगानिस्तान ने आठ रन से मार लिया मैदान

अफगानिस्तान की जीत से ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल की रेस से बाहर हुआ

किंग्सटाउन, 25 जून। टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप एक में बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास नाबाद (54) खड़े देखते रहे और राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजों ने इतिहास रचते हुए आठ रन से वर्षा बाधित मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान और नवीन उल हक ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए चार-चार विकेट चटकाते हुए बंगलादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर ढ़ेरकर मुकाबला जीतकर ऑस्ट्रेलिया को भी विश्वकप से बाहर कर दिया है। बंगलादेश के लिटन कुमार दास एक छोर थामे खड़े रहे लेकिन किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया।

उन्होंने 49 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से नबाद (54) रनों की पारी खेली। मैच के बीच में बारिश होने के कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत बंगलादेश का एक ओर घटाकर 19 ओवर में संशोधित लक्ष्य दिया गया था। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

रहमतउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 59 रन जोड़ा। 11वें ओवर में रिशाद हुसैन ने इब्राहिम जदरान (18) को आउट कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजमतउल्लाह उमरजई भी (10) बनाकर पवेलियन लौट गये। गुलबदीन नईब (4) और मोहम्मद नबी एक रन बनाकर आउट हुये।

रहमतउल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक (43) रन बनाये। कप्तान राशिद खान 10 गेंदों में (19) और रहमत करीम (7) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 115 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

डेविड वार्नर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

सेंट लूसिया, 25 जून। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वॉर्नर ने अफगानिस्तान द्वारा बंगलादेश को आठ रन कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विश्वकप 2024 से बाहर होने के साथ संन्यास की घोषणा की है। इसी के साथ ही वॉर्नर डेविड का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त हो गया है। उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप 2023 में अपना आखिरी मैच और इसके बाद जनवरी 2024 में पाकिस्तान के साथ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था।

उन्होंने भारत के खिलाफ टी-20 विश्वकप 2024 में अपने टी-20 करियर का अंतिम मैच खेला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए वर्ष 2009 में टी-20 प्रारूप से ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने 11 जनवरी 2009 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 मैच खेला था। इस वर्ष 18 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका खिलाफ एकदिवसीय मैच में पर्दापण किया। उन्होंने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में टेस्ट मैच में पर्दापण किया था।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 112 टेस्ट में 8786 रन बनाए जिसमें अर्धशतक 37 और शतक 26 शामिल है। वहीं 161 एकदिवसीय मैचों में 6932 रन बनाए। इसमें अर्धशतक 33 और शतक 22 है। 110 टी-20 मैचों में 3277 रन बनाए। जिसमें 28 अर्धशतक और एक शतक शामिल है।

20 किमी. पैदल चाल में प्रियंका गोस्वामी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, 25 जून। उत्तर प्रदेश की प्रियंका गोस्वामी ने 20 किलोमीटर पैदल चाल में गोल्ड मेडल जीतकर ओलिंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। एक घंटा 28 मिनट 50 सेकंड के समय के साथ विश्व चैंपियनशिप और 2024 ओलंपिक दोनों के लिए टिकट कटा लिया है। फिलहाल प्रियंका एथलेटिक्स से 2024 खेलों के लिए क्वॉलीफाई करने वाली पहली भारतीय हैं।

टोक्यो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी 26 बरस की प्रियंका ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में सिल्वर जीता था। प्रियंका का लक्ष्य 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना है। प्रियंका गोस्वामी का जीवन कठिनाइयों से भरा रहा है। रोडवेज ने प्रियंका के पिता परिचालक मदनपाल गोस्वामी की नौकरी छीन ली थी। प्रियंका ने पिता की नौकरी जाने के बाद कमजोर आर्थिक स्थिति और अन्य मुश्किलों का सामना कर ओलंपिक तक का सफर तय किया है।

2006 में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र के सागड़ी गांव से मदनपाल गोस्वमी, पत्नी अनीता गोस्वामी और दोनों बच्चों कपिल व प्रियंका को लेकर मेरठ आ गए थे। पिता मदनपाल रोडवेज में परिचालक थे। मदनपाल का कहना है कि 2010 में रोडवेज के उच्चाधिकारियों ने मिलीभगत कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी और नौकरी से निलंबित करा दिया।

हमने अपने समर्थकों को निराश किया, मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं : शांतो

किंग्सटाउन, 25 जनू। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के खराबप्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए इस निराशाजनक अभियान के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया। भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बांग्लादेश के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था लेकिन सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में उसे अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। शांतो ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि एक टीम के रूप में हमने बांग्लादेश के अपने प्रशंसकों को निराश किया। इसलिए मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए।'' उन्होंने कहा,''हमें इसके लिए खेद है। हम भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों में अच्छा खेल दिखाने का प्रयास करेंगे।'' बांग्लादेश की टीम सुपर 8 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन शांतो ने कहा कि उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे। उन्होंने कहा,''हमारे लिए सकारात्मक पहलू यह रहा कि हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। रिशाद हुसैन ने इस तरह के बड़े टूर्नामेंट में लगभग हर मैच में अच्छी गेंदबाजी की। हमारे लिए कई चीजें सकारात्मक रही लेकिन बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमने प्रशंसकों और अपने देश के लोगों को निराश किया।

किसान का बेटा किशोर कुमार जेवलिन थ्रो में दिखायेगा दमखम

नई दिल्ली, 25 जून। किशोर कुमार जेना ने चीन के हांगझोऊ में 86.77 मीटर भाला फेंककर पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। ओडिशा के पुरी जिले के कोठासाही गांव में किशोर जेना का घर है। छह बहनों में सबसे छोटे भाई किशोर जेना के पिता किसान हैं और अपनी बेटियों की शादी की व्यवस्था करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास कभी नहीं छोड़ा। जेना के अनुसार, जब वह किशोर थे, तब वह वॉलीबॉल खेलते थे। उन्होंने 2015 में भाला फेंकना शुरू किया।

किशोर जेना का घर ओडिशा के पुरी जिले के कोथासाही गांव में है। छह बहनों के सबसे छोटे भाई किशोर जेना के पिता खेती करते हैं और सभी बेटियों की शादी के लिये आर्थिक अड़चनें झेलने के बावजूद बेटे के सपने पूरे करने में कभी पीछे नहीं हटे। किशोर जेना के मुताबिक, वह पहले वॉलीबॉल खेलते थे। 2015 में उन्होंने भाला फेंक को अपनाया था। उन्होंने भुवनेश्वर के स्पोर्ट्स हॉस्टल से अपनी शुरूआत की थी। अब वह पटियाला साई केंद्र का हिस्सा हैं। परिवार में कोई खेलों से जुड़ा नहीं है। उनका साधारण मध्यमवर्गीय परिवार है। यह भाला फेंक में उनकी प्रतिभा ही थी जिसने उन्हें साल 2018 में भोपाल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में नौकरी दिला दी।

साल 2022 में बेंगलुरु में नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अपने आखिरी प्रतिस्पर्धी मुकाबले में जेना ने 78.05 मीटर के नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ कांस्य पदक जीता। साल 2023 में जेना अपने खेल को एक अलग स्तर पर ले गए। उन्होंने बेल्लारी में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक के साथ सीजन की शुरुआत की, इस इवेंट में उन्होंने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 78.93 मीटर का थ्रो किया। तिरुवनंतपुरम में 2023 इंडियन ग्रां प्री में, किशोर जेना ने पहली बार 80 मीटर के बाधा को पार किया। उन्होंने 81.05 मीटर थ्रो के साथ एक और स्वर्ण पदक जीता।

तीरंदाजी में बोम्मादेवरा धीरज पदक पर लगायेंगे निशाना

नई दिल्ली, 25 जून। बोम्मादेवरा धीरज ने तीरंदाजी प्रतियोगिता के जरिए पेरिस ओलंपिक-2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भी वे विश्व चैंपियनशिप समेत कई बड़ी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर

चुके हैं। बोम्मादेवरा धीरज का जन्म 3 सितंबर 2001 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था। उनके पिता बोम्मादेवरा श्रवण कुमार भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी अधिकारी हुआ करते थे। उन्होंने विजयवाड़ा के एसआरआर और सीवीआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में डिग्री के लिए अध्ययन किया। उन्होंने 2006 में विजयवाड़ा में वोल्गा तीरंदाजी अकादमी में तीरंदाजी शुरू की। चार साल तक पुणे में आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण लेने के बाद, वह 2021 में हवलदार के पद पर सेना में शामिल हुए। वह रिकर्व पुरुष व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। रिकर्व पुरुषों में, वह विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर हैं।इसके साथ ही बोम्मादेवरा धीरज कई प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। जिसके तहत उन्होंने 2023 में मिश्रित टीम स्पर्धा के अलावा पुरुष टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में बर्लिन, जर्मनी में विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एमिटी ने नोएडा सिटी और नॉर्दन यूनाइटेड ने एम 2 एम को हराया

नयी दिल्ली, 25 जून। विनय के दो बेहतरीन गोलों की मदद से एमिटी इंडियन नेशनल ने नोएडा सिटी एफसी को 2-1 से परास्त कर डीएसए ए डिवीजन के सुपर सिक्स मुकाबले में पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत से एमिटी के चैंपियनशिप जीतने की उम्मीद बढ़ गई है। पराजित नोएडा सिटी के लिए कर्मण्य ने गोल किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में नॉर्दन यूनाइटेड ने हेमंत ठाकुर के पेनल्टी गोल से एम 2 एम को 1-0 से पराजित किया। एमिटी की जीत का आकर्षण विनय द्वारा क्रमश 48वें और 53वें मिनट में जमाए गोल रहे। पांच मिनट में दो गोल करने के बाद एमिटी की फार्म में यकायक गिरावट आई और उसे रक्षात्मक खेलना पड़ा। गोल उतारने के लिए नोएडा सिटी ने भरसक प्रयास किया किंतु कर्मन्य बंसल ही गोल जमा पाया। अंतिम बीस मिनट में एमिटी पर दबाव बढ़ जाने के कारण उसके मिड फील्डर और फारवर्ड चल नहीं पाए। नतीजन नोएडा सिटी ने खेल पर पकड़ तो बनाई लेकिन लगातार आसान मौके और मैच गंवाया।

मैंने तेज हवाओं के बीच मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की रणनीति बनाई : रोहित

ग्रॉस आइलेट, 25 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में सेंट लूशिया में चल रही तेज हवाओं के बीच चतुराई से बल्लेबाजी करते हुए मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की रणनीति बनाई जो सार्थक रही। प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद रोहित ने मैच जीतने के बाद कहा, मैंने पहले ओवर से ही मन बना लिया था और बेहद तेज हवा भी चल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए हवा के खिलाफ गेंदबाजी करनी शुरू कर दी थी। इसी कारण मुझे मैदान का दूसरा हिस्सा भी खोलना पड़ा। जब हम खेलते हैं तो हमें चतुराई दिखानी होगी। मैं ऐसा करने के लिए तैयार था।

उन्होंने कहा, आपको समझना होगा कि गेंदबाज भी चतुर हैं। वे हवा की ओर गेंदबाजी नहीं करने वाले हैं। आपको मैदान का हर कोना खुला रखना होगा और केवल एक दिशा में खेलने को नहीं देखना होगा। यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं हर संभव क्षेत्र में गेंद को मारने के लिए देख रहा था। जब आप केवल एक ही शॉट खेलने के लिए नहीं देखते हैं तो आप मैदान के किसी भी कोने में शॉट खेल सकते हैं। मैं यही करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, विकेट अच्छा था। जब आप अच्छी विकेट देखते हैं तो एक बल्लेबाज़ के रूप में इस तरह के शॉट खेलने के लिए स्वयं को तैयार रखते हैं। मैं कई सालों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं खुश हूं कि आज़ यह अच्छे से हो पाया। उन्होंने कहा, यह काफी सुखद है और विशेषकर तब जब आप ऐसा खेलते हैं। हम विपक्षी टीम को और उनके द्वारा उत्पन्न किए जाने वाले खतरे को अच्छे से जानते हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम बेहद अच्छा खेले। हम वो चीजे करते रहे जो हमसे उम्मीद थी और हम जो करना अच्छा से जानते हैं। ऐसे मैच से हमारे आत्मविश्वास काफी वृद्धि होगी।

स्टीपलचेज में अविनाश को पेरिस का टिकट मिला

नई दिल्ली, 25 जून। भारत के स्टीपलचेज़ चैंपियन अविनाश साबले ने अपने कठिन परिश्रम की बदौलत अगले माह फ्रांस में होने

वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कुछ साल पहले ट्रैक पर उतरने के बाद स्टीपलचेज़र अविनाश साबले ने इस पीढ़ी के भारत के प्रमुख लंबी दूरी के धावक के रूप में खुद को तेज़ी से स्थापित किया है। उनके माता-पिता किसान थे और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें अपने स्कूल जाने के लिए हर दिन छह किलोमीटर दौड़ना पड़ता था। अविनाश साबले ने कभी भी बड़े होकर किसी भी खेल को अपना करियर बनाने के बारे में नहीं सोचा और अपने परिवार की मदद करने के लिए सेना में शामिल होने का मन बना लिया।

डीएसपी पारुल चौधरी से ओलंपिक में पदक की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ के एक गाँव की बिटिया पारुल चौधरी को पिछले साल एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीएसपी नियुक्त किया था। अगले माह फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले ओलंपिक में भी पारुल पर देशभर की निगाहें टिकी होंगी। एक किसान की बेटी पारुल चौधरी कभी अपने गांव से स्टेडियम की यात्रा पैदल किया करती थी। आठ साल पहले जो जुनून इस बिटिया के अंदर आया उसी का असर है कि आज वह देश की नम्बर एक धावक बन गई है। इस चैंपियन बिटिया ने अब तक इतने मेडल जीते हैं कि एक पूरा कमरा ही मेडल से भर गया है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 9:15.31 के समय के साथ दौड़ पूरी की थी। साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया था। पारुल ने तब ललिता बाबर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। ललिता ने रियो 2016 ओलंपिक में 9:19.76 के समय के साथ तीन हजार मीटर स्टीपलचेज की दौड़

पूरी की थी। पिछले साल प्रदेश सरकार ने 19वें एशियाई खेल-2022 में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी पारुल चौधरी को 4.50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर नियुक्ति का पत्र सौंपा था।

घरेलू सत्र से पहले बीसीसीआई के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की बैठक

नई दिल्ली, 25 जून। सचिव जय शाह सहित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान-प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई।

भारत का घरेलू सत्र 2024-25 दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी जिसे पहली बार दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। ऐसा उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और उबरने के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से किया गया है। यहां वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से उनकी प्रतिक्रिया भी मांगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया है। बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल है।'' राज्य संघों से आने वाले सत्र में खिलाड़ियों के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया गया।

महिला एशिया कप के पहले दिन होगी भारत-पाक की भिड़ंत

नयी दिल्ली, 25 जून। एशियाई क्रिकेट परिषद के महिला एशिया कप 2024 के कार्यक्रम में किये गये बदलाव के तहत मौजूदा चैंपियन भारत टूर्नामेंट के पहले दिन 19 जुलाई शाम को पाकिस्तान से भिडेगा। इसी दिन नेपाल और यूएई दोपहर में टूर्नामेंट का शुभारंभ करेंगे। एसीसी के पहले तय कार्यक्रम के अनुसार ये दोनों मुकाबले पहले 21 जुलाई को खेले जाने थे। नेपाल और पाकिस्तान के बीच पहला मैच होना था। दूसरा मैच भारत और यूएई के बीच खेला जाना था। अब ये मैच 21 जुलाई को खेले जाएंगे। शेष कार्यक्रम वही रहेगा। टूर्नामेंट 19 से 28 जुलाई तक चलेगा और सभी मैच दांबुला खेलें जायेंगे। इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें खेलेंगी।

पी.सी.सी. प्रमुख डोटासरा व कांग्रेस विधायकों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हुए

कोटा में नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन को उग्र हिंसक मानते हुए पुलिस ने केस दर्ज किए

कोटा, 25 जून (निसं)। कोटा में हुए कांग्रेस के प्रदर्शन को उग्र मानते हुए पुलिस ने दो मुकदमे दर्ज किए हैं। इसमें एक मुकदमे में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायकों को आरोपी बनाया गया है जबकि दूसरे मुकदमे में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल व कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है।

प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर सोमवार को कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्किट हाउस और कोटा कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन नैशनल टैस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट यूजी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर था। प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने कलैक्ट्रेट चौराहे पर पुलिस की लगाई बैरिकेडिंग हटाकर कलैक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की थी। इस मामले को लेकर पुलिस और कांग्रेसियों के बीच काफी देर तक बहस और धक्का मुक्की भी हुई। पुलिस ने बाद में वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इसके बावजूद कांग्रेस नेता बैरिकेडिंग के सामने जमे रहे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अब पुलिस ने इस प्रदर्शन के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए हैं। इसमें एक मुकदमे में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायकों को आरोपी बनाया है। जबकि दूसरे मुकदमे में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल व कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया है।

- **पहला केस नयापुरा थाने के थानाधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा ने दर्ज कराया, जिसमें डोटासरा, टीकाराम जूली, विधायक अशोक चांदना, चेतन पटेल व सी.एल. प्रेमी तथा कोटा देहात के कांग्रेस अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह को आरोपी बनाया गया है।**
- **दूसरा केस हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने प्रहलाद गुंजल व उनके समर्थक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज कराया है, जिसमें मारपीट का आरोप भी लगाया गया है।**

कोटा शहर की पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई गई थी। इसमें कांग्रेस नेताओं के उग्र प्रदर्शन के कारण पुलिस से टकराव की स्थिति भी बन गई थी। इसलिए पुलिस अधिकारी व कर्मी की शिकायत पर ही कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं। नयापुरा थाना पुलिस ने दर्ज मुकदमे में पी.सी.सी. अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री व विधायक (हिंडोली) अशोक चांदना, पीपल्दा विधायक चेतन पटेल कोलाना, केशोरायपाटन विधायक सी.एल. प्रेमी और कोटा देहात जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह आरोपी हैं।

इस मामले में नयापुरा थाना अधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज हुई है इसमें बताया कि कांग्रेस की रैली में 2000 लोग थे, जिन्हें हिंडोली विधायक अशोक चांदना ने उत्तेजित किया। इसके बाद यह लोग कलैक्ट्रेट पहुंच गए। जहां पर पुलिस ने इन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन यह नहीं माने। इस मामले में पुलिस से धक्का मुक्की, गाली गलौज और राज कार्य में बाधा का आरोप लगाया है। इस मामले में अधिकांश आरोपी विधायक हैं ऐसे में इनकी जांच पड़ताल सीआईडी सीबी जयपुर को सौंपी जाएगी।

पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय राजेश सोनी ने बताया दूसरे मामले में हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने शिकायत दी थी कि वह अंबेडकर मूर्ति के नजदीक कलैक्ट्रेट चौराहे पर ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान कांग्रेस नेता प्रदर्शन करते हुए आए और उसके साथ छीना झपटी व मारपीट की और उसको मुक्के मारे, जिसके चलते उसे काफी दर्द हो रहा है। इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है व शेर सिंह का मेडिकल करवाया जाएगा। वह जांच भी नयापुरा थाना पुलिस ही करेगी। इसमें प्रहलाद गुंजल, भानु प्रताप सिंह, रविंद्र त्यागी, नईमुद्दीन गुड्डू, मोइजुद्दीन गुड्डू, मंजूर तंवर, असरार अहमद, विजय प्रताप सिंह पानाहेड़ा, विशाल मेवाड़ा, पवन मीणा, शिव प्रकाश नागर, धनराज, जगरूप सिंह रंघावा, नरेश मीणा, बबलू कसाना और आबिद कागजी सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है।

राम मंदिर की छत टपक रही

अयोध्या, 25 जून। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद की पहली बारिश के बाद मंदिर की छत से पानी टपकने लगा है। नए रेलवे स्टेशन की दीवार ढह गई है और रामपथ पर कई जगह सड़क के धंस जाने की खबरें आ रही हैं। राम मंदिर की छत से पानी टपकने की जानकारी खुद मंदिर के महंत आचार्य सत्येंद्र दास ने दी है।

महंत आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि, छत में से ठीक उसी जगह पर पानी टपक रहा है जहां पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं और जहां लोग वी.आई.पी. दर्शन के लिए आते हैं।

- **राम मंदिर की छत से पानी टपकने की जानकारी खुद मंदिर के महंत, आचार्य सत्येंद्र दास ने दी है। उन्होंने बताया कि, छत में से ठीक उसी जगह पर पानी टपक रहा है जहां पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं।**

निर्माणाधीन मंदिर का हाल मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दास ने कहा, "यह बहुत आश्चर्य की बात है। पूरे देश से इतने सारे इंजीनियर यहां बैठे हुए हैं और राम मंदिर बना रहे हैं। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई. लेकिन किसी को यह ज्ञान नहीं हुआ कि जब बारिश होगी तो मंदिर की छत से पानी चुएगा''

राजस्थान में मानसून का प्रवेश, 27 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी

उदयपुर, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ के रास्ते मानसून एंट्री हुई

उदयपुर, 25 जून (कासं)। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में मानसून की एंट्री हो गई है। मानसून की एन्ट्री उदयपुर, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ के रास्ते हुई है। अब संभाग के जिलों में अच्छी बारिश की संभावना है। राजस्थान में सामान्य तौर पर 25 जून को मानसून का प्रवेश होता है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश समेत मध्य और उत्तर भारत के राज्यों में मानसून बंगाल की खाड़ी ब्रांच से आता है, लेकिन इस सीजन मानसून ने पूर्वोत्तर भारत और केरल में प्रवेश किया। मौसम केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले दो से तीन दिन में मानसून पूर्वी राजस्थान के कुछ और जिलों जैसे टोंक, भीलवाड़ा, राजसमंद, जयपुर और सवाई माधोपुर समेत अन्य जिलों में भी प्रवेश कर सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने इस वर्ष अच्छी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 27 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। मानसून के प्रवेश के साथ ही बारिश का जो दौर चलना चाहिए था उसकी अभी कमी महसूस की जा रही है। झीलों की नगरी उदयपुर में सोमवार रात को अच्छी बारिश हुई लेकिन यह सिलसिला लंबा नहीं चला। मंगलवार को पूरा दिन भारी उमस के बीच बीता व बारिश का इंतजार होता रहा। मौसम में भारी उमस के मद्देनजर रात को बारिश होने की संभावना जताई गई है।

- **मौसम केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अगले दो से तीन दिन में मानसून पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में भी प्रवेश कर सकता है।**

इस बार मानसून का प्रवेश राजस्थान में मेवाड़ हाड़ौती के रास्ते हुआ है। मानसून ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर और झालावाड़ के रास्ते एंट्री की है। मौसम विभाग ने मानसून की एंट्री होने की घोषणा के साथ ही अब अच्छी बारिश की संभावना है। उदयपुर शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और बीच-बीच में धूप निकल रही है। मौसम ठंडा बना हुआ है।

उदयपुर के मौसम वैज्ञानिक प्रो. एन.एस. राठौड़ ने बताया कि, दक्षिणी राजस्थान में मानसून की एंट्री हो चुकी है। इस क्षेत्र में जो खंडित वर्षा हुई है वह मानसून का ही हिस्सा है। इससे पहले रविवार सोमवार तड़के से शुरू हुई रिमझिम बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है जिससे गर्मी से सुबह-सुबह राहत महसूस हुई लेकिन दोपहर में गर्मी का असर बरकरार है।

सिंचाई विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में उदयपुर जिले में सर्वाधिक बारिश बावलवाड़ा और कोटड़ा के सेई डेम पर एक इंच दर्ज की गई। इसके अलावा जिले के वल्लभनगर में 23 मिलीमीटर, उदयसागर पर 22, झाड़ोल और मावली के बागोलिया बांध पर 15 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने आज उदयपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा जिलों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। केंद्र ने 26 जून को भी इन जिलों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

प्रधानमंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रा की योजना वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए बनाई जा रही है। पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, जबकि नरेंद्र मोदी ने भी 9 जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। अगर यह यात्रा होती है, तो यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की शुरुआत के बाद से पीएम मोदी की पहली रूस यात्रा होगी।

आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हम भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां कर रहे हैं। अगर मोदी रूस जाते हैं तो वह और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तीन वर्षों के अंतराल के बाद भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन करेंगे। भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच यह वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में उच्च स्तरीय संस्थागत संवाद तंत्र है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभायेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 जून। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही होंगे, इस बात पर कांग्रेस ने मंगलवार को मुहर लगा दी। कांग्रेस पार्टी की ओर से यह घोषणा महा सचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को की। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का नाम प्रोटैम स्पीकर भर्तृहरि महताब को भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

- **कांग्रेस पार्टी की ओर से यह घोषणा महा सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को की, उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का नाम प्रोटैम स्पीकर महताब को भेज दिया गया है।**
- **मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मीटिंग की। इस मीटिंग में स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए रणनीति के अलावा नेता विपक्ष के नाम पर भी मुहर लगाई गई।**

इससे पहले मंगलवार को भी लोकसभा में सदन की कार्यवाही काफी हंगामेदार रही। सोमवार की तरह मंगलवार को भी प्रोटेम स्पीकर महताब ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। हालांकि आज 7 सांसद शपथ नहीं ले पाए। इस वजह से वे बुधवार को होने वाले लोकसभा स्पीकर के चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

मंगलवार को सांसदों की शपथग्रहण के दौरान नारेबाजी का मुद्दा भी काफी गर्माया। असदुद्दीन ओवैसी का जय फिलिस्तीन नारे को लेकर भाजपा सांसदों ने आपत्ति जताई तो प्रोटेम स्पीकर ने उस शब्द को कार्यवाही से हटा दिया। इसके अलावा भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने जय मोदी और जय हेगडेवार के नारे लगाए।

मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मीटिंग की। इस मीटिंग में स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए रणनीति के अलावा नेता विपक्ष के नाम पर भी मुहर लगाई गई।

विकीलीक्स के संस्थापक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा सुनाई गई होती। इस पर विश्व के तमाम मानव स्वतंत्रता संगठनों ने अमेरिका के खिलाफ भारी विरोध शुरु कर दिया था।

असांज के खिलाफ उठाए गए कदम को उदार पश्चिमी लोकतंत्र की कथित स्वतंत्र दुनिया में एक सशक्त सरकार द्वारा प्रैस की स्वतंत्रता का गला घोंटने की एक कोशिश के रुप में देखा गया।

केस की मुख्य बात की जाए तो लंदन स्थित इक्वेडोर दूतावास में शरण लेकर कोर्ट से अनुरोध किया कि उन्हें अमेरिकी सरकार को प्रत्यर्पित करने से वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन कर उनके सात अनुचित व्यवहार किया जाएगा और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। असांज ने यूरोपीय मानवाधिकार कानूनों के अन्तर्गत भी अपील की थी।

असांज ने अमेरिकी सरकार के साथ एक अपराध स्वीकारोक्ति समझौता किया, जिसके अमेरिका उन्हें उतने ही साल की जेल की सजा देगा, जितने साल की सजा वह इक्वेडोर दूतावास सहित लंदन की जेल में काट चुके हैं। समझौते के तहत इस सौदेबाजी को एक कानूनी रुप दिए जाने से पूर्व असांज अमेरिका की एक कोर्ट में उपस्थित होंगे।

हालांकि, असांज किसी भी तरह का कोई जोखिम उठाना नहीं चाहते, इसलिए वह नॉर्थ अमेरिका की लोअर स्टेट्स सहित अमेरिका में कहीं भी उपस्थित नहीं होना चाहते। अत: उन्होंने अमेरिका से 6 हजार कि.मी. दूर स्थित प्रशांत महासागर के द्वीप हवाई के एक यू.एस. फैडरल कोर्ट में उपस्थित होने का विकल्प चुना है।

अदालती कार्रवाई, सजा और सजा में छूट जैसी सभी प्रक्रियाओं को कानूनी रुप से अंतिम रुप दिए जाने के बाद असांज अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए स्वतंत्र होंगे और ऑस्ट्रेलिया की सरकार भी असांज के लिए एक तय समझौते की दिशा में सक्रिय रहती आई है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने आज देश की संसद के समक्ष घोषणा की कि असांज हवाई जहाज में बैठकर प्रशांत महासागर स्थित अमेरिकी द्वीप हवाई जाएंगे और उनके साथ यू.के. में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त भी होंगे। उनकी हवाई यात्रा में उच्चायुक्त को शायद यह सुनिश्चित करने के लिए साथ में बिठाया जा रहा है कि अमेरिका कहीं समझौते का उल्लंघन ना कर दे।

यह केस एक अधिनायकवादी राष्ट्र के विरुद्ध प्रैस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाप संघर्ष का एक प्रतीक बन गया है।

केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई से पहले उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में उनके खिलाफ मनी लॉण्डरिंग मामले में जमानत याचिका पर सुनवाई तय है।

बुधवार शाम को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में ही सी.बी.आई. ने तिहाड़ जेल में सी.एम. केजरीवाल से मंगलवार को पूछताछ की थी। इसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सी.बी.आई. ने केजरीवाल का बयान भी रिकॉर्ड कर लिया है। उन्हें कल बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सी.बी.आई. उनकी कस्टडी मांगेगी।

मु.मंत्री भजनलाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मॉनिटरिंग मैकेनिज़्म सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग राज्यमंत्री, के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश ने अभी तक माफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जगनमोहन की बहन शर्मीला कांग्रेस को बचाने में रही है ज्यादा कुछ नहीं कर पाई, वो खुद कडप्पा सीट पर तीसरे स्थान पर रही हैं। असल में शर्मीला के सामने एक बड़ी चुनौती है क्योंकि आंध्र प्रदेश की इस दुर्दशा के लिए जनता कांग्रेस को जिम्मेदार मानती है जिसकी अपनी कोई राजधानी नहीं है और अर्थव्यवस्था अव्यवस्थित है। वास्तव में, उन्हें पार्टी की अपेक्षित परन्तु निराशाजनक हार की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। जब इस पराजय का दोष उनके मत्थे मढा गया तो शर्मीला अपने गुस्से का इज़हार स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं पर किया और प्रदेश में तत्काल पार्टी की सभी समितियों को भंग कर दिया और उन्होंने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष को प्रदेश मुख्यालय से बाहर कर दिया।

पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता इससे नाखुश है।

पी.सी.सी. के दो कार्यकारी अध्यक्ष सुनकारा पद्मश्री एवं पी. राकेश रेड्डी दोनों ने दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के हाईकमान से औपचारिक रूप से शिकायत की थी कि प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन के लिए हर तरह से शर्मीला जिम्मेदार है और उस पर ही गलत तरीके से चुनावी टिकट वितरण का आरोप भी लगाया था। जब शर्मीला को इनके द्वारा लिखे गए पत्रों का पता चला तो कहा जाता है कि शर्मीला ने इन दोनों पदाधिकारियों को विजयवाड़ा स्थित पार्टी कार्यालय से बाहर कर दिया।

पद्मश्री ने कहा कि "ए.आई.सी.सी. के इतिहास में न तो पार्टी और न ही उसके नेतृत्व ने कभी ऐसा नहीं देखा कि पी.सी.सी. अध्यक्ष ने कार्यकारी अध्यक्षों के लिए कार्यालय के द्वार बंद कर ताले लगा दिए हो और जब पार्टी की पराजय का कारण पूछा गया तो सभी समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया।''

कांग्रेस पार्टी को तेलंगाना की तरह आंध्र प्रदेश में भी पार्टी के पुर्नजीवित होने की उम्मीद थी, और जिस समय शर्मीला ने पार्टी में प्रवेश किया था तो लगा था कि वो कुछ चमत्कार करेंगी। उन्होंने अपने पिता की विरासत का दावा किया था। दु:खी कार्यकारी अध्यक्ष पद्मश्री ने अपने पत्र में आरोप लगाया था कि जो शर्मीला की टीम थी उसे तेलंगाना से बुलाया गया था जिसे आंध्र प्रदेश के बारे में राजनीतिक समझ नहीं थी और वो ही वहाँ टिकट वितरण के लिए जवाबदेह हैं।

यह बिल्कुल साफ है कि आंध्र प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में यदि कांग्रेस को अपनी सार्थक प्रासंगिकता बनानी है तो उसे वहाँ बहुत ज्यादा काम करना पड़ेगा।

परन्तु अपने नुकसान के बावजूद, वाय.एस.आर.सी.पी. ने यह दिखा दिया है कि अभी भी एक जबरदस्त ताकत है क्योंकि अभी भी उनका वोट शेयर सम्मानजनक स्तर 40 प्रतिशत पर कायम है।

इण्डिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साफ होने के बाद पार्टी अध्यक्ष जगनमोहन ने भाजपा से निराश होने के संकेत दिए हैं। इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर चली बहस के दौरान जगन ने भी पेपर बैलट से वोटिंग कराने की मांग का आह्वान किया था। वाय.एस.आर. कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण प्रतीत होती है कि वे इस कारण से इंडिया गठबंधन के नेताओं से मिल सकते हैं, जिन्होंने यह संभावनाएं व्यक्त की थी कि ई.वी.एम. मशीनों से छेड़-छाड़ की जा सकती है। आंध्र में लोकसभा की 25 सीटों में से एन.डी.ए. के गठबंधन ने 21 सीटें जीतीं हैं। इस प्रकार वाय.एस.आर.सी.पी. की सीटें सिमटकर चाररह गई हैं। राज्यसभा में जबकि वाय.एस.आर.सी.पी. के 11 सदस्य हैं। इंडिया गठबंधन के पास सरकार बनाने के लिए सीटों का संख्याबल नहीं हैं, परन्तु इस गठबंधन को उम्मीद है आने वाले महीनों में न्यूट्रल पार्टियाँ जैसे कि वाय.एस.आर.सी.पी. एवं बी.जे. डी. का इनके खेमे में आने से इनकी ताकत बढ़ेंगी।

अमित शाह, नड्डा, रिजिजू के साथ ओम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री के पास इस तरह की लेन-देन संबंधी बातचीत के अधिकार नहीं थे।

तथापि, सरकार ने अपने रूख को यह कहकर न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया कि स्पीकर पद के प्रत्याशी को समर्थन देने की एवज में विपक्ष अपनी शर्तें लागू कर रहा था, जो लोकतांत्रिक परम्पराओं के विरूद्ध है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इससे पहले कहा कि सरकार यदि डैपुटी स्पीकर का पद विपक्ष को दे दे तो विपक्ष स्पीकर पद के सरकार के प्रत्याशी का समर्थन करेगा। जब यह स्पष्ट हो गया कि ओम बिड़ला इस बार भी लोकसभा स्पीकर बनाए जा सकते हैं तो शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे, यू.बी.टी.) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बिड़ला के स्पीकर कार्यकाल में ही इतिहास में पहली बार लोकसभा से 130 से अधिक सांसद निलम्बित किए गए और एक कमेटी, जिसका झुकाव भाजपा की ओर था, की रिपोर्ट के आधार पर ही महुआ मोइत्रा को डिस्क्वालिफाई किया गया और सुप्रीम कोर्ट के केस की अनदेखी कर बागियों के कृत्यों को न्यायोचित ठहराते हुए शिव सेना संसदीय पार्टी ऑफिस को शिंदे सेना को आवंटित करने का निर्णय लिया गया था।

उन्होंने कहा कि "यदि तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) और जद (यू) सरकार के इस निर्णय का समर्थन करते हैं तो उन्हें भाजपा द्वारा अपनी-अपनी पार्टियों में विभाजन की कोशिश के लिए तैयार रहना चाहिए और साथ ही विभाजन की असंवैधानिकता को न्यायोचित ठहराने के लिए भी।

देश के संवैधानिक इतिहास में यह पहला मौका है जबकि विपक्ष ने इस अहम संवैधानिक पद के लिए बराबर की टक्कर देने का निर्णय लिया है, यद्यपि ऐसे दो अवसर रहे हैं, जब इस पद के लिए प्रतीकात्मक संघर्ष हुआ था।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इससे पहले कहा था कि सरकार के लोकसभा स्पीकर पद के अभ्यर्थी को विपक्ष का समर्थन सशर्त है। सरकार यदि डैपुटी स्पीकर का पद विपक्ष को देने के लिए राजी हो जाती है तो विपक्ष भी उसके स्पीकर पद के व्यक्ति को अपना समर्थन दे देगा।

कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल और द्रमुक के टी.आर. बालू डैपुटी स्पीकर के मुद्दे को लेकर केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह के पास चर्चा करने गए थे किन्तु वापस लौट आए। उन्होंने बताया कि सरकार इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं करना चाहती।

सूत्रों ने बताया कि स्पीकर पद के लिए बिड़ला को चुनाव मैदान में उतारने के निर्णय से विपक्ष के पास यह स्पष्ट संकेत गया कि सरकार आमना-सामना करने के लिए तैयार है तथा कोई आम सहमति बनाने के मूड में नहीं है। बिड़ला 17वीं लोकसभा में भी स्पीकर थे और उनका कार्यकाल तब पूर्णतया विवादित हो गया, जब उन्होंने संख्याबल से कमज़ोर विपक्ष को कथित रूप से धमकाने और दबाने की कोशिश की। विपक्ष उनके प्रति आशंकित है।

एग्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओ.एम.आर. शीट्स की स्क्रीनिंग की बारी आई तो उसकी सील खोली गई तो पता लगा कि 333 अभ्यार्थियों की उपस्थिति है, मगर ओ.एम.आर. शीट केवल 332 ही हैं। एक अभ्यर्थी की ओ.एम.आर. शीट नहीं मिली। गफलत होने की आशंका में जेट समन्वयक मनमोहन सुंदरिया की तरफ से मंडोर थाने में ओ.एम.आर. शीट गायब होने का केस दर्ज कराया गया है। कृषि विश्वविद्यालय के स्ट्राँग रूम से ओ.एम.आर. सीट गायब हो गई। परीक्षा प्रवेश परीक्षा जैट प्री-पीजी, पीएचडी प्रवेश के अभ्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

राजस्थानः उपचुनावों में कांग्रेस का खेल बिगाडेंगी मायावती

नई दिल्ली/ जयपुर, 25 जून। राजस्थान की पांच विधानसभा उप चुनाव में बसपा अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी।

राजस्थान में बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने कहा कि, पार्टी नगर निकाय चुनाव भी लड़ेगी। जिससे ग्रासरूट पर कार्यकर्ता तैयाह हो सके। भगवान सिंह बाबा ने कहा कि मायावती की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

राजस्थान में 5 सीटों पर विधायक अब सांसद बन चुके हैं, जिसके बाद 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान होने वाला है। उपचुनाव के लिए अलग-अलग पार्टियां तैयारियों में जुट चुकी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अपनी कमर कस ली है। बता दें 5 विधानसभा सीटों में से तीन सीटों पर कांग्रेस के विधायक सांसद पहुंचे हैं। ऐसे में कांग्रेस अपनी जीती हुई सीट को हाथ से निकलने नहीं देगी।

'हार सुनिश्चित देखकर दलित कार्ड खेलती है कांग्रेस और विपक्ष'

चिराग पासवान ने कहा कि, लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में सबको पता है कि, विपक्ष की हार तय है फिर भी दलित हितैषी चोला ओढ़कर उम्मीदवार खड़ा कर दिया है

नई दिल्ली, 25 जून। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी पर दलितों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पता है कि उसके पास संख्याबल नहीं है फिर भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा किया। बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) केंद्र के सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिराग पासवान को अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया है।

चिराग ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए एक्स पर लिखा, "जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है, तो वे दलित कार्ड चल देते हैं। 2002 में जब उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं, तो उन्होंने सुशील कुमार शिंदे जी को उम्मीदवार बनाया था। 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने श्रीमती मीरा कुमार जी को उम्मीदवार बनाया। अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के. सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं। विपक्ष के लिए क्या दलित नेता केवल और केवल प्रतीकात्मक उम्मीदवार हैं?''

- **चिराग पासवान ने कहा कि, कांग्रेस ने कई मौकों पर ऐसा किया है, यह ऐसी पार्टी है जो अपने काम निकलवाने के लिए दलितों का सहारा लेती है। इतिहास में ऐसे कई मौके आये हैं, जब यह बात तय होती है कि, विपक्ष का उम्मीदवार किसी भी सूरत में जीत नहीं सकता तो वहां कांग्रेस पार्टी दलित उम्मीदवार का इस्तेमाल करती है।**

बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी और अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमश: राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

पिछली लोकसभा में भी अध्यक्ष रह चुके बिरला को राजग की तरफ से सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया गया है। यदि वह बुधवार को हुए मतदान में जीत जाते हैं तो 25 साल में इस पद पर दोबारा आसीन होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि बिरला का नाम राजग के सभी दलों ने सर्वसम्मति से तय किया और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह भी समर्थन हासिल करने के लिए विपक्ष के पास पहुंचे। बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह राजस्थान के कोटा से लगातार तीसरी बार भाजपा के टिकट पर सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि वे लोकसभा उपाध्यक्ष के पद पर तुरंत फैसला चाहते हैं, जबकि राजनाथ सिंह ने अनुरोध किया था कि चयन का समय आने पर सभी को एक साथ बैठना चाहिए और इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार के नाम पर सर्व सम्मति होती तो बेहतर होता। उन्होंने इस संबंध में शर्तें रखने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को शर्तों पर नहीं चलाया जा सकता।

'रिटायर्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से आई.एफ.एस. (इण्डियन फॉरैस्ट सर्विस) पद से रिटायर हुआ। उसे एक साल की सेवा अवधि, 30 जून 17 से 30 जून 18 की एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। जबकि भारतीय वन सेवा पे नियम-2016, के नियम 8 के तहत वह वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ प्राप्त करने का अधिकारी है। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव व केन्द्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को भी प्रतिवेदन देकर उसे एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ देने का आग्रह किया था। इसके बावजूद उसके प्रतिवेदन को अभी तक तय नहीं किया है और यह अब तक लंबित ही चल रहा है। इसलिए उसका प्रतिवेदन तय कराया जाए और उसे वेतन वृद्धि सहित अन्य सेवा परिलाभ दिलवाए जाएं।

मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने केन्द्र व राज्य सरकार को उसे पूर्व के निर्णयों के पालन में एक वार्षिक वेतन वृद्धि का मुद्दा तय करने को कहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908